4 आर्थिक नियोजन

आओ सीखें

- जीएसटी का परिचय
- जीएसटी की गणना तथा इनपुट टैक्स क्रेडीट
- कर पत्र (टैक्स इन्व्हॉइस)
- शेयर्स, म्युच्युअल फंड तथा SIP

आओ चर्चा करें

शिक्षिका : विद्‍यार्थियों, अपने देश में व्यापार के लिए कौन-सी कर पद्‍धति चल रही है ?

आयुष : हमारे देश में जीएसटी अर्थात वस्तु एवं सेवा कर यह कर पद्‍धति चल रही है ।

शिक्षिका : बहुत अच्छा ! इस संबंध में आप और क्या जानते हैं ?

अयान : GST अर्थात Goods and Service Tax.

आयशा : देशभर में एक ही कर पद्‍धति लागू की गई है ।

शिक्षिका : सही कहा । इसके पहले अलग-अलग राज्यों में विविध कर अलग-अलग समय पर (बार-बार) देना होता था । पहले के करों में से कौन-से कर, वस्तु एवं सेवा कर में समाविष्ट किए गए है ? निम्नलिखित चित्र को देखकर बताइए ।

शफीक : उत्पादन शुल्क, सीमा शुल्क, व्हॅट, मनोरंजन कर, केंद्रीय बिक्री कर, सेवा कर, चूँगी कर आदि ।

शिक्षिका : इन सभी करों को निरस्त कर अब केवल वस्तु एवं सेवा कर यह एक ही कर वस्तु एवं सेवा के खरीदी-बिक्री पर लगाया जाता है । यह कर पद्‍धति जुलाई 2017 से लागू की गई । इसलिए कहा जाता है ! ''एक देश, एक कर, एक बाजार''

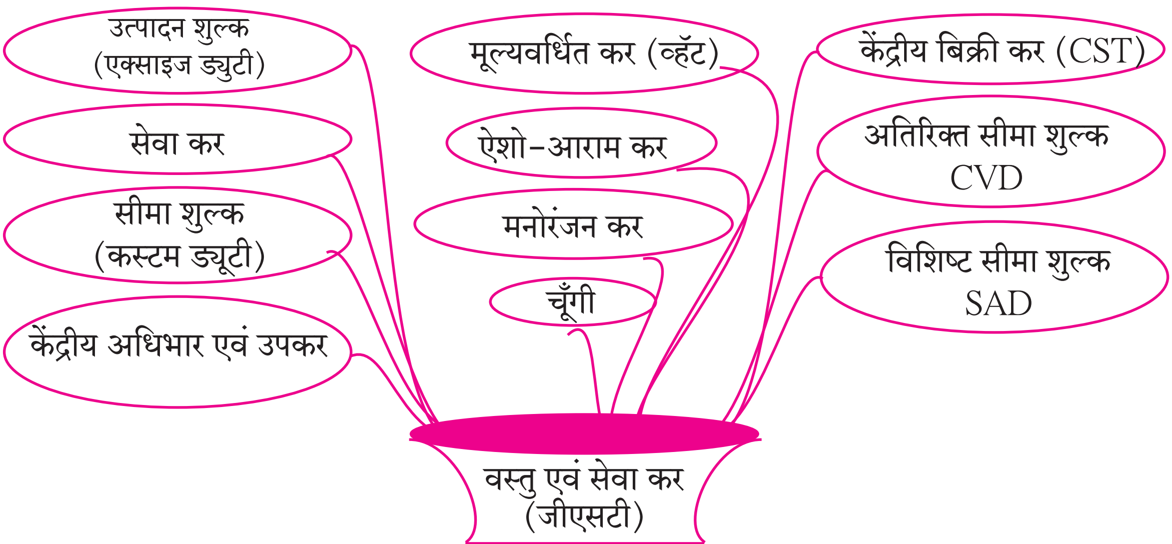

आओ जानें

करबीजक (Tax Invoice)

वस्तु खरीद का टैक्स इन्व्हॉईस (नमूना)

SUPPLIER : A to Z SWEET MART **GSTIN :27ABCDE1234H1Z5**

143, Shivaji Rasta, Mumbai : 400001 Maharashtra

Mob. No. 92636 92111 email : atoz@gmail.com

Invoice No. GST/110 **Invoice Date: 31-Jul-2017**

S. No.	HSN code	Name of Product	Rate	Quantity	Taxable Amount	CGST Rate	CGST Tax	SGST Rate	SGST Tax	Total Rs.
1	210690	पेड़ा	₹ 400 प्र. कि.	500 ग्राम	200.00	2.5%	5.00	2.5%	5.00	210.00
2	210691	चॉकलेट	₹ 80	1 बार	80.00	14%	11.20	14%	11.20	102.40
3	2105	आइस्क्रीम	₹ 200	1 पॅक (500 ग्राम)	200.00	9%	18.00	9%	18.00	236.00
4	1905	ब्रेड	₹ 35	1 पॅक	35.00	0%	0.00	0%	0.00	35.00
5	210690	मक्खन	₹ 500 प्र. कि.	250 ग्राम	125.00	6%	7.50	6%	7.50	140.00
						कुल रूपये	41.70		41.70	723.40

वेद : हमें इस बिल में कुछ नए शब्द दिख रहे हैं। उनके अर्थ बताइए।

शिक्षिका : **CGST** तथा **SGST** ऐसे GST के दो भाग है। **CGST** का अर्थ है (**C**entral **G**oods and **S**ervices **T**ax) अर्थात **केंद्रीय वस्तु एवं सेवा कर,** यह केंद्र सरकार को प्राप्त होता है। **SGST** का अर्थ है (**S**tate **G**oods & **S**ervices **T**ax) अर्थात **राज्य वस्तु एवं सेवा कर,** यह राज्य सरकार को प्राप्त होता है।

रिया : दाहिनी ओर के ऊपरी कोने में अंक तथा अक्षरों की पंक्ति दिख रही हैं, वह क्या है ?

शिक्षिका : यह जीएसटिएन अर्थात व्यापारी का पहचान क्रमांक है। (GSTIN - GST Identification Number). जिस व्यापारी की गत आर्थिक वर्ष की खरीदी-बिक्री (Turnover) 20 लाख से अधिक हो, उन्हें यह नंबर लेना अनिवार्य होता है। PAN में जैसे 10 अंकाक्षर होते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक व्यापारी को दिए गए GSTIN में 15 अंकाक्षर होते हैं। जिसमें उस व्यापारी का PAN समाविष्ट होता है।

उदाहरणार्थ. : 27 A B C D E 1 2 3 4 H 1 Z 5 (अंत में अक्षर या अंक होता है।)

- 27 → राज्य का संकेतांक 2 अंकोंवाला
- A B C D E 1 2 3 4 H → 10 अंकाक्षरी PAN
- 1 → एक नोंद
- Z → सभी के लिए समान (बाय डीफॉल्ट)
- 5 → चेक सम डिजिट

'27' यह महाराष्ट्र राज्य का संकेतांक (State Code) है। 27 इस संकेतांक से व्यापारी ने महाराष्ट्र में पंजीकरण किया है यह स्पष्ट होता है।

(चेक सम डिजिट अर्थात GST की वेबसाईट पर GSTIN डालने पर इस नंबर की वैधता समझती है।)

जेनी : बीजक में HSN कोड यह शब्द भी है ।

शिक्षिका : HSN कोड अर्थात उस वस्तु के वर्गीकरण का विशिष्ट क्रमांक होता है । कर बीजक में उसको संलग्न करना होता है । HSN अर्थात Harmonized System of Nomenclature ।

जोसेफ : कर बीजक में दुकान का नाम, पता, दिनांक, बीजक क्रमांक, मोबाइल नंबर तथा ई-मेंल आयडी भी है ।

शिक्षिका : अब इस बीजक में वस्तु एवं सेवा कर की गणना कैसे की जाती है, देखें । इसके लिए निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । बीजक में पेडे का दर 400 ₹ प्रतिकिलो है । आधा किलोग्राम पेडे खरीदे हैं । इसलिए उसकी कीमत 200 ₹ है ।

- पेडे का केंद्रीय कर 2.5% की दर से ☐ रूपये, इसी प्रकार राज्य का कर ☐ की दर से 5 रूपये । इस आधार पर पेडे पर वस्तु-सेवा कर की दर 2.5% + 2.5% = 5% तथा कुल कर 10 रूपये ।
- इस प्रकार चॉकलेट पर वस्तु-सेवा कर की कुल दर ☐ % अत: उसपर कुल कर ☐ रूपये ।
- आइस्क्रीम पर वस्तु-सेवा कर की कुल दर ☐ % है । अर्थात आइस्क्रीम का मूल्य ☐ रूपये।
- मक्खन पर केंद्र का दर ☐ % तथा राज्य का दर ☐ % मिलाकर वस्तु-सेवा कर की दर ☐ % है ।

आदित्य : ब्रेड पर कर की दर 0% है । उसी प्रकार प्रत्येक वस्तु पर केंद्र तथा राज्य की कर दर समान है ।

निनाद : विविध वस्तुओं के कर की दर अलग-अलग है जैसे 0%, 5%, 12%, 18% व 28% ।

शिक्षिका : प्रत्येक वस्तु पर कर की दर सरकार निर्धारित करती है । अब एक कर सेवा का कर बीजक का नमूना देखें । दी गई जानकारी के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति सेवा का कर बीजक पूर्ण कीजिए ।

दी गई सेवा का टैक्स इन्व्हॉइस (नमूना)

आहार सोनेरी, खेड शिवापुर, पुणे **Invoice No. 58**

Mob. No. 7588580000 E-mail :ahar.khed@yahoo.com

GSTIN : 27 AAAAA5555B1ZA Invoice Date : 25-Dec-2017

S A Code (SAC)	Food items	Qty	Rate (in Rs.)	Taxable amount	CGST		SGST	
9963	Coffee	1	20	20.00	2.5%	0.50 ₹	2.5%	. . .
9963	Masala Tea	1	10	10.00	. . . .	. . .	2.5%	. . .
9963	Masala Dosa	2	60	. . . .	2.5%	. . .	. . .	. . .
			Total	. . .		. . .		. . .
				Grand Total = ... रूपये				

शिक्षिका : वस्तु तथा सेवा इन दोनों बिलों का निरीक्षण कर दोनों बिलों में अंतर ज्ञात कीजिए ।

पॅट्रीक : वस्तु बिल पर HSN कोड दिया है तथा उपाहार गृह के बिल पर SAC कोड दिया गया है।

शिक्षिका : SAC अर्थात सेवा के वर्गीकरण का विशिष्ट क्रमांक, उसे SAC-Service Accounting Code कहते हैं ।

निम्नलिखित सारिणी में कुछ वस्तु-सेवा तथा उनपर कर की दर नमूना रूप में दिए गए हैं ।

अ.क्र.	प्रकार	कर की दर	वस्तु एवं सेवा प्रकार
I	शून्याधारित (Nil rated)	0%	**वस्तु** - अनाज सहित जीवनावश्यक वस्तुएँ सब्जी, फल, दूध, नमक, मिट्टी के बर्तन आदि । **सेवा** - धर्मदाय संस्थाओं के उपक्रम, पानी का परिवहन, सड़क तथा पुलों का उपयोग, शिक्षा तथा स्वास्थ्यसेवा, सार्वजनिक वाचनालय, कृषि संबंधी सेवा आदि ।
II	निम्न दर	5%	**वस्तु** - सामान्य उपयोग की वस्तुएँ - जैसे LPG सिलेंडर, चाय, तेल, शहद, शीत गृह में रक्षित सब्जियाँ, लौंग, काली मिर्च, मसाले, मिठाई आदि । **सेवा** - रेलवे परिवहन, बस परिवहन, टैक्सी सेवा, विमान परिवहन (इकॉनॉमी क्लास) होटल की खाद्य सामग्री तथा पेय आपूर्ति आदि ।
III	प्रमाण दर (स्तर I)	12%	**वस्तु** - ग्राहकोपयोगी वस्तुएँ - मक्खन, घी, सूखा मेवा, सब्जी तथा फलों द्‌वारा बनाया गया अचार, मुरब्बा, जॅम, जेली, चटनी, मोबाइल आदि । **सेवा** - छपाई के काम, गेस्ट हाऊस, निर्माण कार्य व्यवसाय से संबंधित सेवा आदि।
IV	प्रमाण दर (स्तर II)	18% (अत्याधिक वस्तु एवं सेवा का समावेश)	**वस्तुएँ** - मार्बल, ग्रेनाईट, इत्र, धातू की वस्तु, संगणक, प्रिंटर, मॉनीटर, CCTV आदी. **सेवाएँ** - कुरिअर सर्व्हिसेस, आऊटडोअर केटरिंग, सर्कस, नाटक, प्रदर्शन, सिनेमा, चलन विनिमय सेवा, शेयर खरीदी बिक्री पर दलाली सेवा आदि ।
V	उच्चतम दर	28%	**वस्तु** - ऐशो-आराम की वस्तुएँ - मोटार साइकल पार्ट्स, लक्झरी कार, पान मसाला, व्हॅक्यूम क्लीनर, डीश वॉशर, AC, युनिट, वॉशिंग मशीन, तंबाखु उत्पादन, शीतपेय आदि । **सेवाएँ** - पंचतारांकित होटल निवास व्यवस्था, ॲम्युझमेंट पार्क (मनोरंजन उद्‌यान), वॉटर पार्क, थीम पार्क, केसीनो, रेसकोर्स, IPL जैसे खेल, विमान परिवहन (बिझनेस क्लास) आदि ।
संदर्भ : www.cbec.gov.in (Central Board of Excise & Customs) की वेबसाइट इसके अतिरिक्त 0% से 5% के बीच किन वस्तुओं पर जीएसटी है इसे खोजिए ।			

टिप्पणी : - यह पाठ लिखते समय शासन द्‌वारा निश्चित किए गए जीएसटी के प्रकार तथा दर, लिए गए हैं । उसमें परिवर्तन हो सकता है । बिजली, पेट्रोल, डीजल आदि जीएसटी की परिधि में नहीं हैं ।

कृति I : आपकी आवश्यकता की कम-से-कम 10 वस्तुओं की सूची बनाइए तथा उनपर जीएसटी का दर कितना है, यह सूची में, समाचार पत्र, इंटरनेट, जीएसटी संबंधित किताबें या वस्तु खरीदी के बिल का आधार लेकर, खोजकर लिखिए । अपने दोस्तों के साथ इस जानकारी की जाँच कीजिए।

वस्तु	जीएसटी की दर	वस्तु	जीएसटी की दर
1.स्केचबुक 2.कंपास पेटी 3.- - - - -- 4.- - - - - - 5.- - - - - -		6. - - - - -- 7.- - - - - - 8. - - - - - - 9. - - - - - - 10. - - - - - -	

कृति II : कृति I के जैसे कम-से-कम दस विविध सेवा (जैसे रेल्वे तथा एस.टी. बस बुकींग सेवा आदि) प्राप्त करने के लिए जीएसटी की दर ज्ञात करें, अथवा सेवा प्राप्ति संबंधी बिल प्राप्त कीजिए, उस आधार पर तालिका पूर्ण करें ।

सेवा	जीएसटी की दर	सेवा	जीएसटी की दर
1.रेलवे बुकींग 2.कुरिअर सर्व्हिस 3.- - - - -- 4.- - - - - - 5.- - - - - -		6. - - - - -- 7.- - - - - - 8. - - - - - - 9. - - - - - - 10. - - - - - -	

कृति III : निम्नलिखित तालिका का निरीक्षण कीजिए तथा और भी वस्तु एवं सेवा कोड खोजकर लिखिए।

सेवा	SAC	GST की दर	वस्तु	HSN Code	GST की दर
रेल यातायात सेवा	996511	--	ड्युलक्स पेंट	3208	28%
विमान यातायात सेवा (इकॉनॉमी)	996411	--	बॉलबेरींग	84821011	28%
चलन विनिमय सेवा	997157	--	स्पीडोमीटर	8714	28%
ब्रोकर सेवा	997152	--	आलू	0701	0%
टैक्सी सर्व्हिस	996423	--	--	--	--
5-स्टार होटल सेवा	--	--	--	--	--
--	--	--	--	--	--

कृति IV : किन्हीं 5 वस्तुएँ तथा 5 सेवाओं के लिए HSN तथा SAC तालिका बनाइए । उस तालिका में वस्तु तथा सेवाओं के चित्र चिपकाइए । उन वस्तुएँ एवं सेवाओं के लिए GST की दर ज्ञात कर लिखिए ।

टीप : वस्तु एवं सेवाओं से संबंधित दर HSN, SAC कोड पर आधारित कृति आदि जानकारी के लिए है । उसे याद करने की आवश्यकता नहीं है ।

उपक्रम : आप विविध प्रकार के बिल प्राप्त कीजिए जैसे वस्तु आपूर्ति बिल, सेवा आपूर्ति करने संबंधी बिल आदि । उन बिलों का जीएसटी से संबंधित विविध पहलुओं का अध्ययन कीजिए तथा कक्षा में चर्चा कीजिए ।

हल किए उदाहरण

उदा. (1) आरती गैस एजन्सी द्वारा ₹545 करपात्र मूल्य का LPG सिलेंडर ग्राहक को बेचा गया । जीएसटी की दर 5% हो, तो ग्राहक को दिए गए कर बीजक में केंद्र का तथा राज्य का कर कितने रूपये होगा ? ग्राहक को कुल कितने रूपयों का भुगतान करना होगा ? आरती गैस एजन्सी को कुल कितना वस्तु-सेवा कर का भुगतान करना होगा ?

हल : जीएसटी कर की दर = 5% ∴ सीजीएसटी की दर 2.5%, तथा एसजीएसटी की दर = 2.5%.

सीजीएसटी = $\frac{2.5}{100} \times 545 = 13.625 = 13.63$ रूपये

∴ एसजीएसटी = सीजीएसटी = 13.63 रूपये

ग्राहक द्वारा भुगतान की जाने वाली रकम = करपात्र मूल्य + केंद्र का दर + राज्य का दर

= 545 + 13.63 + 13.63 = 572.26 रूपये

आरती गॅस एजन्सी को केंद्र का कर = 13.63 रूपये व राज्य का कर = 13.63 रूपये भुगतान करना होगा । अर्थात कुल वस्तु-सेवा कर 27.26 रूपये भुगतान करना होगा ।

उदा. (2) कुरिअर सेवा देने वाले किसी एजंट ने एक पार्सल नाशिक से नागपूर भेजने के लिए ग्राहक से कुल 590 रु. लिए, जिसमें 500 रूपये कर पात्र मूल्य पर केंद्र का कर 45 रूपये तथा राज्य का कर 45 हो, तो इस व्यवहार में लगाया गया वस्तु-सेवा कर की दर ज्ञात कीजिए ।

हल : कुल वस्तु एवं सेवा कर = केंद्र का कर + राज्य का कर = 45 + 45 = 90 रूपये.

∴ वस्तु सेवा कर की दर = $\frac{90}{500} \times 100 = 18\%$

कुरिअर सेवा देनेवाले एजंट ने वस्तु सेवा कर की दर 18% लगाई ।

उदा. (3) श्रीकर ने 50,000 रूपये अंकित मूल्य का लॅपटॉप खरीदना निश्चय किया । दुकानदार ने इस मूल्य पर उसे 10% की छूट दी । लॅपटॉप वस्तु-सेवा कर की दर 18% हो, तो दुकानदार द्वारा लगाया गया केंद्र का कर तथा राज्य का कर ज्ञात करो । श्रीकर को वह लॅपटॉप कितने रूपयों में प्राप्त हुआ ?

हल : यहाँ सर्वप्रथम छूट ज्ञात करें । वह छूट दिए गए अंकित मूल्य में से घटाने पर शेष रकम पर 18% दर से वस्तु एवं सेवा कर की गणना करेंगे ।

छूट = 50,000 रूपयों पर 10% = 5,000 रूपये

∴ लॅपटॉप का करपात्र मूल्य = 50,000 – 5,000 = 45,000 रूपये ।

∴ 18% जीएसटी दर में केंद्र का कर = 9%

45,000 रूपये पर 9% केंद्र का कर = $\frac{9}{100} \times 45000 = 4050$ रूपये ।

∴ राज्य का कर = 4050 रूपये ।

∴ लॅपटॉप की कुल कीमत = 45000 + 4050 + 4050 = 53,100 रूपये ।

उत्तर : श्रीकर को लॅपटॉप कुल 53,100 रूपयों में प्राप्त होगा ।

टीप : करपात्र मूल्य का अर्थ है जिस मूल्य पर कर निर्धारित किया जाता है वह मूल्य । बीजक मूल्य अर्थात कर सहित कुल कीमत । उदाहरण में उल्लेख न हो तो बिक्री की कीमत करपात्र है ऐसा समझा जाए । जितना केंद्र का कर होता है, उतना ही राज्य का भी कर होता है ।

प्रश्नसंग्रह 4.1

1. 'पावन मेडिकल्स' दवाइयों की आपूर्ति करते हैं । उनकी दुकान की कुछ दवाइयों पर GST की दर 12% है, तो CGST तथा SGST की दर कितनी होगी ?

2. किसी वस्तु पर CGST की दर 9% हो तो SGST की दर कितनी होगी ? वैसेही GST की दर कितनी होगी ?

3. 'मेसर्स रियल पेंट' ने प्रत्येक को ₹ 2800 करपात्र मूल्य के लस्टर पेंट के 2 डिब्बे बेचें । GST की दर 28% हो तो कर-बीजक में CGST तथा SGST कितने रूपयों होगा ज्ञात कीजिए ।

4. किसी रिस्ट वॉच बेल्ट का कर पात्र मूल्य 586 रूपये हैं । GST की दर 18% हो तो बेल्ट ग्राहक को कितने रूपयों में प्राप्त होगा ?

5. किसी खिलौना के रिमोट कंट्रोल कार की जीएसटी सहित कुल कीमत 1770 रूपये हैं । जीएसटी की दर 18% हो, तो कार के करपात्र मूल्य पर लगाया गया CGST तथा SGST की गणना करो ।

6. 'टीपटॉप इलेक्ट्रॉनिक्स' ने किसी कंपनी को, करसहित 51,000 रूपये कीमत का ड़ेढ़ टन के एअर कंडिशनर की आपूर्ति के एअर कंडिशनर पर CGST का दर 14% लगाया तो कर बीजक में निम्नलिखित मुद्‌दे का मान कितना दर्शाया उसे ज्ञात कीजिए ।

   (1) SGST का दर (2) एसी पर GST की दर (3) एसी की करपात्र मूल्य

   (4) GST की कुल रकम (5) CGST की रकम (6) SGST की रकम

7. प्रसाद ने 'महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक्स गुड्स'से 40,000 रूपये अंकित मूल्य की वॉशिंग मशीन खरीदी की । उसपर दुकानदार ने 5% छूट दी । जीएसटी की दर 28% है । तो प्रसाद को वह वॉशिंग मशीन कितने रूपयों में प्राप्त होगी ? कर बीजक में सीजीएसटी तथा एसजीएसटी कितने रूपये होगा ? ज्ञात कीजिए ।

आओ जानें

व्यवसाय शृंखला में जी.एस.टी. (G.S.T. in trading chain)

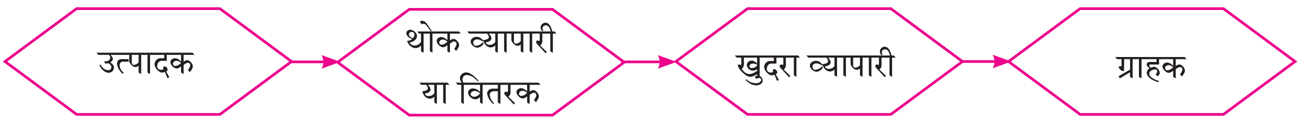

व्यवसाय शृंखला (Trading Chain)

व्यवसाय शृंखला में जीएसटी का निर्धारण तथा शासन को जमा किस प्रकार करते हैं, उदाहरण से देखें ।

उदाहरण : माना, किसी उत्पादक ने थोक व्यापारी को एक घड़ी लाभसहित 200 रूपये में बेची । थोक व्यापारी ने खुदरा व्यापारी को 300 रूपयों में तथा खुदरा व्यापारी ने ग्राहक को वह घड़ी 400 रूपयों में बेची । GST की दर 12% है । तो उत्पादक, थोक तथा खुदरा व्यापारी निम्नानुसार इनपुट टैक्स क्रेडीट (ITC) लेकर शेष टैक्स का भुगतान किस प्रकार करते हैं, निम्नलिखित प्रवाह तक्ता से अध्ययन कीजिए ।

स्पष्टीकरण :

उत्पादक से घड़ी ग्राहक तक पहुँचने में तीन व्यवहार होते हैं । हर व्यवहार में किया गया कर निर्धारण, जमा कर राज्य शासन तथा केंद्र शासन को कैसे प्राप्त होता है, यह निम्नलिखित प्रवाह आकृति (तक्ता) में दर्शाया गया है । उसे संपूर्ण सारिणी में आगे दिया गया है ।

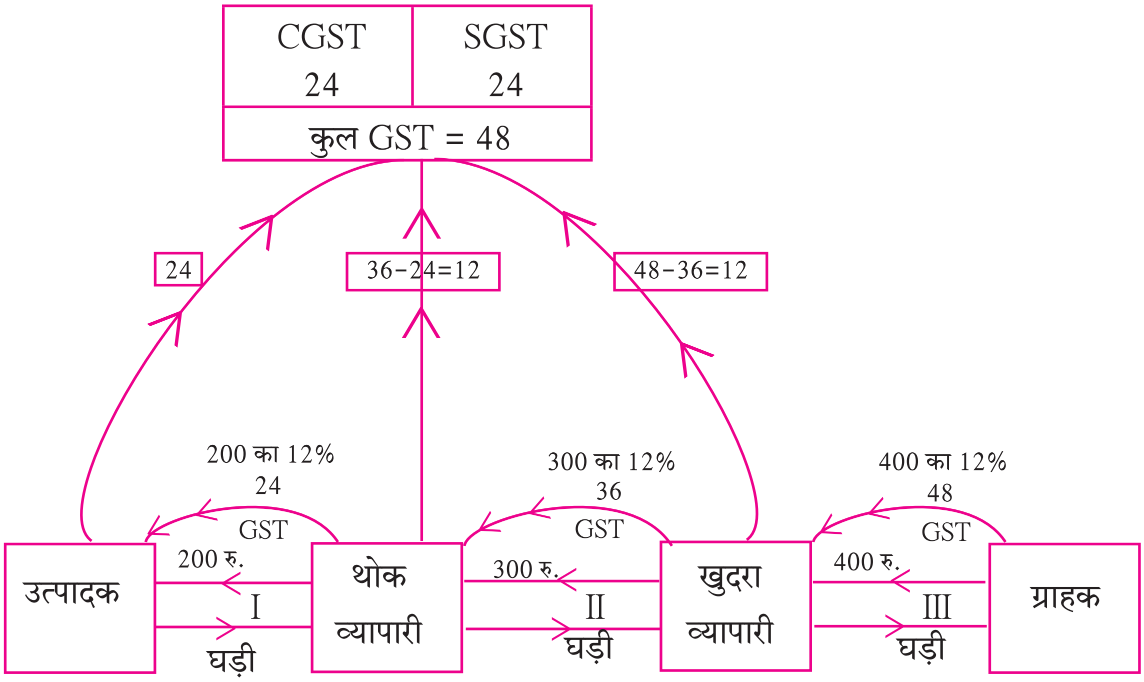

ऊपरोक्त व्यवहार में तीन अलग-अलग आर्थिक व्यवहार एक ही राज्य में हुए हैं । प्रत्येक के कर बीजक में GST का निर्धारण समझने के लिए संक्षेप में निम्नानुसार दिया गया है ।

कर बीजक I में GST निर्धारण	
घड़ी का मूल्य	= ₹ 200
CGST 6%	= ₹ 12
SGST 6%	= ₹ 12
कुल कीमत	= ₹ 224

उत्पादक का कर बीजक
(B2B)

कर बीजक II में GST निर्धारण	
घड़ी का मूल्य	= ₹ 300
CGST 6%	= ₹ 18
SGST 6%	= ₹ 18
कुल कीमत	= ₹ 336

थोक व्यापारी का कर बीजक
(B2B)

कर बीजक III में GST निर्धारण	
घड़ी का मूल्य	= ₹ 400
CGST 6%	= ₹ 24
SGST 6%	= ₹ 24
कुल कीमत	= ₹ 448

खुदरा व्यापारी का कर बीजक
(B2C)

इसे ध्यान में रखें

दो GSTIN धारक व्यापारियों के बीच के व्यवहार को Business to Business संक्षेप में B2B कहते हैं। वस्तु के उत्पादन से लेकर ग्राहक तक पहुँचने की शृंखला के अंतिम कड़ी के व्यवहार को Business to Consumer संक्षेप में B2C कहते हैं ।

व्यवसाय शृंखला में प्रत्येक व्यापारी द्‌वारा अदा किए गए GST का विवरण निम्न प्रकार है ।

	CGST		SGST		कुल GST	
• उत्पादक द्‌वारा	₹ 12	+	₹ 12	=	₹ 24	जमा किया
• थोक व्यापारी द्‌वारा	₹ 6	+	₹ 6	=	₹ 12	जमा किया
• खुदरा व्यापारी द्‌वारा	₹ 6	+	₹ 6	=	₹ 12	जमा किया
कुल भुगतान	₹ 24	+	₹ 24	=	₹ 48	

टीप : क्या आपके ध्यान में आया ? हर व्यापारी ने अपने स्तर पर संकलित कर में से इनपुट टैक्स क्रेडिट अर्थात खरिदी के समय दिए गए कर को घटाकर देय GST का भुगतान किया है । अंत में ग्राहक को वह घड़ी 448 रूपये में मिली । जिसमें 48 रूपये केवल कर ऊपरोक्त दर्शाए अनुसार ग्राहक ने भुगतान किया । अत: GST यह अप्रत्यक्ष कर (Indirect Tax) है । इसके पूर्व थोक तथा खुदरा व्यापारियों को उन्होंने खरिदी के समय भुगतान किया गया कर, वापस मिलता है ।

खरीदारी के समय भुगतान किए गए कर को कम करना (ITC – इनपुट टैक्स क्रेडिट)

वस्तु के उत्पादन से लेकर ग्राहक तक पहुँचने तक बीच के प्रत्येक व्यवहार में GST का निर्धारण किया जाता है । वस्तु बेचते समय व्यापारी द्‌वारा संकलित कर अर्थात आऊटपुट टैक्स । उसी व्यापारी द्‌वारा वस्तु खरिदते समय भुगतान किया गया टैक्स अर्थात इनपुट टैक्स । व्यापारी संकलित कर में से भुगतान किया गया टैक्स कम करता है । इसे ही इनपुट टैक्स क्रेडिट कहते हैं ।

$\therefore$ देय GST = आऊटपुट टैक्स – इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC)

संक्षेप में सरकार को कर का भुगतान करते समय शृंखला का प्रत्येक व्यापारी बिक्री के समय संकलित कर में से उसके द्‌वारा खरीदते समय भुगतान किए गए कर को घटाकर शेष कर का भुगतान करता है ।

हल किए गए उदाहरण

उदा. (1) श्री. रोहित एक खुदरा व्यापारी है । उन्होंने वस्तु खरीदते समय 6500 रूपये जीएसटी का भुगतान किया तथा बिक्री के समय 8000 रूपये संकलित किए । तो (i) इनपुट टैक्स तथा आऊटपुट टैक्स कितना? (ii) श्री. रोहित को इनपुट टैक्स क्रेडिट कितने रूपये मिलेगा ? (iii) उनकी देय जीएसटी ज्ञात कीजिए । (iv) केंद्र तथा राज्य का देय कर ज्ञात काजिए ।

हल : श्री. रोहित का देय कर अर्थात शासन को उनके द्‌वारा भुगतान किया जानेवाला कर

(i) बिक्री के समय संकलित कर (आऊटपुट टैक्स) = 8000 रूपये

(ii) खरीदते समय दिया गया कर (इनपुट टैक्स) = 6500 रूपये

अर्थात इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) = 6500 रूपये

(iii) देय कर = बिक्री के समय संकलित कर (आऊटपुट टैक्स) – इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC)

= 8000 – 6500 = 1500 रूपये

(iv) $\therefore$ केंद्र का देय कर = $\frac{1500}{2}$ = 750 रूपये और राज्य का देय कर = 750 रूपये.

उदा. (2) मेसर्स जय केमिकल्स ने 8000 रूपये करपात्र मूल्य का लिक्विड सोप खरीदा तथा ग्राहक को 10,000 रूपये करपात्र मूल्य पर बेचा । GST का दर 18% हो, तो मेसर्स जय केमिकल्स का केंद्र को देय कर तथा राज्य को देय कर ज्ञात कीजिए ।

हल : खरीदते समय दिया गया कर (इनपुट टैक्स) = 8000 रूपयों की खरीदी पर 18% की दर से भुगतान किया गया कर

$= \frac{18}{100} \times 8000$

= 1440 रूपये

$\therefore$ ITC = 1440 रूपये

आऊटपुट टैक्स = बिक्री के समय संकलित कर

$= \frac{18}{100} \times 10000$

= 1800 रूपये

देय कर = आऊटपुट टैक्स – ITC

= 1800 – 1440 = 360 रूपये

मे. जय केमिकल्स का केंद्र का देय कर = 180 रूपये तथा राज्य का देय कर = 180 रूपये

उदा. (3) मे. जय केमिकल्स ने 8000 रूपये (करसहित) लिक्विड सोप खरीदा तथा ग्राहक को 10,000 रूपये (करसहित) बेचा, तो जय केमिकल्स का केंद्र का देय कर तथा राज्य का देय कर ज्ञात कीजिए । यहाँ की दर 18% है ।

हल : उदाहरण में वस्तु का मूल्य कर सहित दिया गया है, यह बात ध्यान में रखें ।

वस्तु का करसहित मूल्य = करपात्र मूल्य + कर

लिक्विड सोप का करपात्र मूल्य 100 रूपये हो तो करसहित मूल्य 118 रूपये होता है ।

$\frac{\text{करसहित मूल्य}}{\text{करपात्र मूल्य}}$ यह अनुपात अचर है ।

118 रूपये कुल मूल्य के लिए 100 रूपये करपात्र मूल्य हो तो 8000 रूपये कुल मूल्य के लिए माना x रूपये करपात्र मूल्य होगा ।

$\therefore \frac{x}{8000} = \frac{100}{118}$

$\therefore x = \frac{8000}{118} \times 100 = 6779.66$ रूपये

$\therefore$ खरिदते समय भुगतान किया गया GST = 8000 − 6779.66

$\therefore$ इनपुट टैक्स = 1220.34 रूपये $\therefore$ ITC = 1220.34 रूपये

उसीप्रकार माना 10,000 रु. कुल मूल्य के लिए y रूपये करपात्र मूल्य

$\therefore \frac{y}{10000} = \frac{100}{118}$

$\therefore y = \frac{10,00,000}{118} = 8474.58$ रूपये

$\therefore$ बिक्री के समय संकलित कर (आऊटपुट टैक्स) = 10000.00 − 8474.58

= 1525.42 रूपये

$\therefore$ देय कर = संकलित कर − ITC = 1525.42 − 1220.34

= 305.08 रूपये

$\therefore$ केंद्र का देय कर = राज्य का देय कर = 305.08 ÷ 2 = 152.54 रूपये

उत्तर : जय केमिकल्स का केंद्र तथा राज्य प्रत्येक का देय कर 152.54 रूपये हैं ।

टीप : उदा. 2 तथा 3 का ध्यान से अध्ययन कीजिए । व्यवहार में आपको दोनों प्रकार के कर बीजक देखने को मिलेंगे, इसलिए दुकानदार ने वस्तु का अंकित मूल्य कर सहित दिया है या अंकित मूल्य पर कर निर्धारित करने वाला है । यह बात समझकर ही वस्तु खरीदें ।

ICT Tools or Links

निश्चित तिथी को कर का भुगतान करने के बाद दी गई तिथी के पूर्व कर विवरण पत्र (GST Returns) दाखिल (जमा) करना आवश्यक है । अब ये सभी बातें online की जा सकती हैं । www.gst.gov.in इस वेबसाइट पर सभी विवरण पत्र आप देख सकते हैं ।

(जीएसटी विवरण पत्र को तैयार करने के लिए ऑफलाइन युटीलिटी का भी उपयोग कर सकते है ।)

उदा. (4) किसी साइकल निर्माता ने थोक व्यापारी को 4000 रूपये करपात्र मूल्य पर साइकिल बेची । थोक व्यापारी ने वह साइकिल 4800 रूपये करपात्र मूल्य पर खुदरा व्यापारी को बेची तथा खुदरा व्यापारी ने वह साइकिल 5200 रूपये करपात्र मूल्य पर ग्राहक को बेची । GST की दर 12% हो तो बिक्री के प्रत्येक स्तर (सोपान) पर देय CGST तथा SGST ज्ञात कीजिए । उसके लिए निम्नलिखित कृति पूर्ण कीजिए ।

हल : व्यवसाय शृंखला

[ ] —₹ 4000, 12%→ [ ] —₹ 4800, 12%→ [ ] —₹ 5200, 12%→ [ ]

निर्माता द्वारा बिक्री के समय संकलित कर = 4000 का 12%= [$. . . \times \frac{. . .}{. . .}$] = [ ]

निर्माता का देय कर = 480 रूपये ।

थोक व्यापारी द्वारा बिक्री के समय संकलित कर = 4800 का 12% = [576 रूपये]

$\therefore$ थोक व्यापारी का देय कर = थोक व्यापारी द्वारा संकलित कर − उसका इनपुट टैक्स क्रेडिट

= [576] − [480]

= [96] रूपये

खुदरा व्यापारी द्वारा निर्धारित GST = 5200 का 12% = [ ]

$\therefore$ खुदरा व्यापारी द्वारा देय GST = उसका आऊटपुट टैक्स − उसका इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC)

= [ ] − [ ]

= [ ]

व्यापार शृंखला में GST का भुगतान विवरण :

व्यक्ति	देय GST	देय CGST	देय SGST
उत्पादक (निर्माता)	₹ 480	₹ 240	₹ [ ]
थोक व्यापारी	₹ 96	₹ [ ]	₹ [ ]
दुकानदार	₹ [ ]	₹ [ ]	₹ [ ]
कुल	₹ [ ]	₹ [ ]	₹ [ ]

थोड़ा सोचें

- माना किसी व्यापारी द्‌वारा जुलाई महिने में संकलित आऊटपुट टैक्स उसके इनपुट टैक्स क्रेडिट के समान हो तो कर का मापन कितना होगा ?
- माना किसी व्यापारी का जुलाई महिने का आऊटपुट टैक्स इनपुट टैक्स से कम हो, ऐसे समय कर की गणना कैसे होती है ?

प्रश्नसंग्रह 4.2

(1) चेतना स्टोअर्स ने 01 जुलै 2017 से 31 जुलै 2017 की अवधि में की गई खरीदारी पर 1,00,500 रूपये जीएसटी का भुगतान किया 1,22,500 रूपये जीएसटी संकलित किया तो संबंधित अवधी में चेतना स्टोअर्स को कितना जीएसटी देय होगा ?

(2) जीएसटी नियम के अंतर्गत पंजीकृत दुकान की मालकिन नजमा है । उन्होंने खरीदारी पर कुल जीएसटी 12,500 रूपये का भुगतान किया था तथा बिक्री पर कुल जीएसटी 14,750 रूपये संकलित किया तो उन्हें कितने रूपये इनपुट टॅक्स क्रेडिट मिलेगा ? उनका देय जीएसटी ज्ञात कीजिए ।

(3) अमीर एन्टरप्राइझ ने चॉकलेट सॉस की बॉटल खरीदते समय 3800 रूपये जीएसटी का भुगतान किया तथा अकबरी ब्रदर्स को बेचते समय 4100 रूपये जीएसटी संकलित किया । मयंक फूड कॉर्नर ने अकबरी ब्रदर्स से वे बोतलें 4500 रूपये जीएसटी देकर खरिदी तो उस व्यवहार में देय जीएसटी ज्ञात कीजिए । उस आधार पर प्रत्येक को केंद्र का देय कर (CGST) तथा राज्य का देय कर (SGST) ज्ञात कीजिए ।

(4) चंडीगढ एक केंद्रशासित प्रदेश है । यहाँ के गैस एजन्सी के मालिक ने कुछ गॅस टंकियाँ 24,500 रूपये में खरीदीं तथा उन्होंने ग्राहकों को 26,500 रूपये में बेचीं । इस व्यवहार में 5% की दर से देय कुल जीएसटी ज्ञात कीजिए । इस आधार पर केंद्र का देय कर (CGST) तथा केंद्र शासन प्रदेश का देय कर (UTGST) ज्ञात कीजिए ।(केंद्रशासित प्रदेश में SGST के स्थान पर UTGST होता है ।)

(5) मे. ब्यूटी प्रॉडक्ट्स ने 6000 रूपये पर 18% की दर से जीएसटी देकर सौंदर्य प्रसाधन खरीदे गए और एक ही ग्राहक को वे सभी 10,000 में बेचीं । तो इस व्यवहार के लिए मे. ब्यूटी प्रॉडक्ट्स द्‌वारा बनाए गए कर बीजक में केंद्र तथा राज्य का (CGST तथा SGST) देय वस्तु एवं सेवा कर की रकम कितनी दर्शाई गई ज्ञात कीजिए ।

(6) निम्नलिखित जानकारी के आधार पर दुकानदार से ग्राहक (B2C) के लिए कर बीजक (Tax Invoice) बनाइए ।

नाम, पता, तारीख आदि अपने मन से लिखिए ।

पूर्ति कर्ता : मे. - - --- पता - - - - - राज्य - - - - - दिनांक

इन्व्हॉइस क्रमांक - - - - - GSTIN - - - - - - -

वस्तु का विवरण - मोबाइल बैटरी की दर	- ₹ 200	GST की दर 12%	HSN 8507, 1 नग
हेडफोन की दर	- ₹ 750	GST की दर 18%	HSN 8518, 1 नग

(7) निम्नलिखित दी गई जानकारी के आधार पर एक व्यापारी का दूसरे व्यापारी से किए गए व्यवहार (B2B) के लिए टैक्स इनव्हॉइस बनाइए। नाम, पता, दिनांक अपनी पसंद के अनुरूप लीजिए।

पूर्ति कर्ता - नाम, पता, राज्य, GSTIN, बिल क्रमांक तथा दिनांक।

प्राप्तकर्ता - नाम, पता, राज्य, GSTIN.

वस्तु का विवरण : (1) पेन्सिल बॉक्स 100, HSN 3924, दर 20 रु., GST 12%,

(2) जिग सॉ पझल्स 50, HSN 9503, दर 100 रु., GST 12%

अधिक जानकारी के लिए

संयुक्त कर योजना (Composition Scheme)

जिस व्यक्ति के व्यवसाय का लेन-देन पिछले आर्थिक वर्ष में 1.5 करोड़ रूपयों से कम हो उनके लिए संयुक्त कर योजना (Composition Scheme) है। इस योजना के अंतर्गत करदाता सरकार द्वारा निश्चित किए गए दर से कर का भुगतान करते हैं।

संयुक्त कर योजना में कर की दर (GST rates for composition Scheme)

क्र.	पूर्ति कर्ता	जीएसटी का दर	(CGST + SGST)
1.	उपाहारगृह	5%	2.5% + 2.5%
2.	निर्माता तथा विक्रेता	1%	0.5% + 0.5%

संयुक्त कर योजना के व्यापारियों के लिए नियम :

- संयुक्त कर योजना के अंतर्गत आने वाले व्यापारी ग्राहकों से किसी भी प्रकार का कर संकलित नहीं कर सकते। इसलिए इस योजना के व्यापारी कर बीजक नहीं दे सकते। उन्हें पूर्ति के बिल (Bill of supply) देने हैं।
- व्यापारी को हर 3 महिने में ऊपरोक्त दी गई सारिणी के अनुसार सरकार को कर का भुगतान करना होता है।
- इस योजना में व्यापारी दूसरे राज्य में बिक्री नहीं कर सकता परंतु दूसरे राज्य से खरीदारी कर सकता है।
- इस योजना में व्यापारियों को खरीदारी पर इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) का लाभ नहीं मिलेगा।
- इस योजना में व्यापारी को अपनी दुकान के फलक (बोर्ड) पर संयुक्त कर योजना का व्यापारी (Composition taxable person) ऐसा लिखना है।
- इस योजना के व्यापारी को अपने पूर्ति बिल पर (Bill of supply) मोटे अक्षरों में 'संयुक्त कर' योजना के व्यापारी बिक्री पर कर निर्धारण के लिए अपात्र है। (Composition taxable person not eligible to collect tax on supplies) ऐसा छापना जरूरी है।

GST की खास विशेषताएँ (Features of GST)

- विभिन्न अप्रत्यक्ष करों की समाप्ति ।
- वस्तु एवं सेवा संबंधी के विवादों की समाप्ति ।
- व्यापारियों के लिए राज्यवार पंजीकरण ।
- GSTIN हो ऐसे व्यापारियों के लिए किए गए व्यवहार का व्यवस्थित दर्ज कर रखना तथा समय पर GST का भुगतान करना होता है ।
- व्यवहार में पारदर्शिता ।
- सरल तथा समझने में आसान कर पद्धति ।
- कर पर कर का भुगतान नहीं करना पड़ता । इस कारण वस्तु तथा सेवा की कीमत नियंत्रण में ।
- वस्तु तथा सेवाओं की अंतर्राष्ट्रीय बाजार से तुलना के कारण गुणवत्ता में वृद्धि ।
- 'मेक इन इंडिया' को गति ।
- तंत्रज्ञान आधारित कर पद्धति होने के कारण शीघ्र निर्णय लेने में सहायता ।
- वस्तु एवं सेवा कर यह दोहरा मॉडेल (Dual model) अर्थात केंद्र तथा राज्य के लिए एक साथ समान कर निर्धारित किया जाता है ।

वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत आनेवाले कर

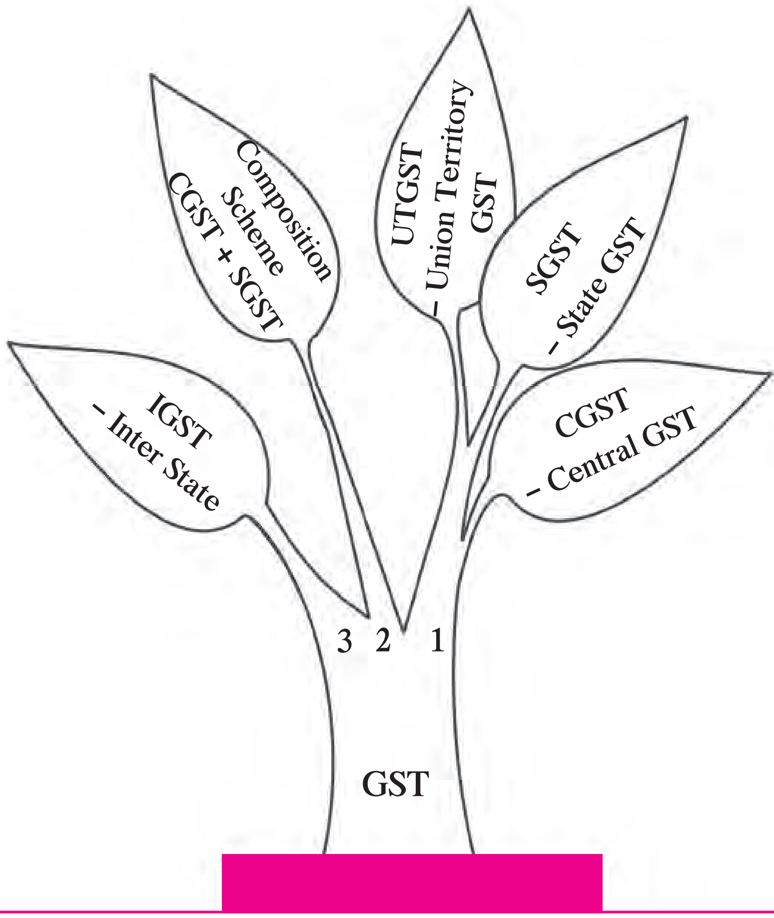

1. **CGST–SGST (UTGST):** एक ही राज्य में खरीदी–बिक्री व्यवहार करने वाले व्यापारियों के लिए ।
2. **संयुक्त कर योजना (composition Scheme) :**

   जिनका वार्षिक लेन–देन 20 लाख से 1.5 करोड़ रूपयों तक है ऐसे व्यापारी इस योजना का लाभ ले सकते हैं । उन्हें SGST तथा CGST अलग दर से देना होता है ।
3. **IGST :**

   अंतर–राज्यीय (Inter State) व्यवहार करने वाले व्यापारियों के लिए ।

अधिक जानकारी के लिए

एकात्मिक वस्तु एवं सेवा कर – IGST (Integrated GST)

जब बिक्री का व्यवहार दो राज्यों में होता है (Inter state) तब जो जीएसटी निर्धारित किया जाता है उसे एकात्मिक वस्तु एवं सेवा कर (IGST) कहा जाता है। इस कर का भुगतान पूरा का पूरा केंद्र सरकार को होता है।

एक राज्य के व्यापारी ने दूसरे राज्य के व्यापारी से वस्तु खरीदी तथा अपने राज्य में बेची तो, IGST के रूप में किए गए भुगतान का इनपुट टैक्स क्रेडिट (ITC) किस प्रकार लिया जाएगा यह देखें।

उदाहरण : महाराष्ट्र के व्यापारी M ने 20,000 रूपये के स्कूटर के खुले भाग पंजाब के व्यापारी P से खरीदते समय 28% के दर से 5600 रूपये एकात्मिक वस्तु एवं सेवा कर (IGST) व्यापारी P को दिया।

M ने वे सभी खुले भाग स्थानीय ग्राहक को 25,000 रूपये में बेचें। बेचते समय 28% की दर से 7000 रूपये जीएसटी संकलित किया।

GST 7000 रूपये = CGST 3500 रूपये + SGST 3500 रूपये ग्राहक से संकलित किया।

अब सरकार को भुगतान करते समय 5600 रूपये को ITC के अंतर्गत कैसे कम करते है, देखें।

टीप : IGST का क्रेडित लेते समय, पहले IGST के लिए इसके बाद CGST के लिए तथा बचा हुआ क्रेडिट SGST के लिए लेते हैं। यहाँ M के बिक्री के व्यवहार में IGST नहीं है इसलिए पहले CGST के लिए क्रेडिट तथा बचा हुआ SGST के लिए क्रेडिट लेते हैं।

∴ देय CGST = 3500 – 3500 = 0 रूपये

अर्थात 5600 में से 3500 की क्रेडिट ले ली गई। शेष 5600 – 3500 = 2100 रूपये क्रेडिट SGST के लिए लिया गया।

∴ देय SGST = 3500 – 2100 = 1400 रूपये

'M' को 1400 रूपये SGST का भुगतान करना होगा।

ध्यान दिजिए, व्यापारी M द्वारा खरिदते समय भुगतान किए गए 5600 रूपये की पूरी क्रेडिट (ITC) उन्हे मिली (अर्थात इनपुट टैक्स का पूर्ण क्रेडिट प्राप्त हुआ।)

ITC इस प्रकार लेते हैं

खरीदते समय दिया गया कर (ITC) — संकलित किया गया कर (Output Liability)

IGST का क्रेडिट लेते समय (₹ 5600)
- प्रथम (₹ 0) → IGST के लिए उपयोग करते हैं।
- बाद (₹ 3500) → CGST के लिए उपयोग करते हैं।
- अंत में शेष (₹ 2100) → SGST के लिए उपयोग करते हैं। (इसलिए ₹ 1400 SGST का भुगतान करना होगा।)

थोड़ा याद करें

हमने पिछले वर्ष बचत तथा निवेश का महत्त्व समझा है । उसके अनुसार जो संभव होगा वह आपने अनुसरण करने का प्रारंभ किया होगा । जैसे सदैव निरोगी रहने के लिए जैसे स्वास्थ्य से संबंधित आदतें बनानी होती हैं, वैसे ही आर्थिक स्वास्थ्य के लिए बचत तथा निवेश की आदत बनानी होती है। वर्तमान में निवेश के क्षेत्र में इतनी विविधताएँ हैं कि उसके संबंध में अध्ययन तथा अनुभव दोनों होना अत्यावश्यक है ।

आओ चर्चा करें

श्वेता किसी कंपनी में नौकरी करती है । इस महिने से उसके वेतन में 5% की वृद्‌धि हुई तथा अगले महिने बोनस भी मिलने वाला है । इसलिए वह वेतन की बढ़ी हुई रकम का उचित निवेश करना चाहती है । उसकी सहेली नेहा आर्थिक सलाहकार के यहाँ नौकरी करने के कारण अपनी सहेली को उचित राय दे सकती है । नेहा बताती है कि, 'अपने निवेश में विविधता होना बहुत ही महत्त्वपूर्ण है । जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा, खुद का घर होना, बैंक में एफ.डी तथा आवर्त खाता होना इन सभी का विचार करना चाहिए' श्वेता कहती है, मेरा बीमा है तथा बैंक में सावधि जमा भी की है । इसके अलावा वेतन से प्रॉव्हिडंट फंड की कटौती भी जारी है । तो और कौन-सा मार्ग है ? नेहा बताती है, ''इन दिनों शेयर्स, म्युच्युअल फंड (MF), डिबेंचर्स, बॉन्डस आदि में निवेश करने वालों की संख्या बढ़ी है । वैसे ही एस.आय.पी करने की ओर भी लोगों का झुकाव बढ़ा है। तुम्हें अब प्रतिमाह एक निश्चित रकम अधिक मिलने वाली है अत: नियमित आवर्ती निवेश योजना (SIP - Systematic Investment Plan) में प्रतिमाह निश्चित रकम निवेश कर सकती हो ।''

ऐसी चर्चा हम अनेक स्थानों पर सुनते हैं तथा इनके संबंध में ठीक जानकारी होना 'बहुजन हिताय, बहुजन सुखाय' होता है ।

हम इस पाठ में शेयर्स, म्युच्युअल फंड, SIP इस संबंध में जानकारी प्राप्त करने वाले हैं ।

आओ जानें

शेयर्स (Shares)

किसी व्यक्ति का स्वयं की दुकान होने का अर्थ है दुकान का स्वामित्व (प्रोप्रायटरशीप) होना । दो-चार व्यक्ति एक साथ आकर व्यापार करने का अर्थ है भागीदारी (पार्टनरशीप), इसके लिए पूँजी कम लगती है परंतु किसी कंपनी, उद्योग या कारखाना शुरु करना हो तो बड़ी पूँजी की आवश्यकता होती है । यह पूँजी समाज से जुटानी होती है ।

कारखाना या कंपनी शुरु करने के लिए इच्छुक व्यक्ति साथ आकर समाज से पूँजी जुटाकर कंपनी स्थापित करते हैं । भारतीय कंपनी कानून 1956 के अनुसार कंपनी का पंजीकरण होता है । कंपनी स्थापित करने वाले व्यक्तियों को कंपनी के **प्रवर्तक** (**प्रमोटर्स**) कहते हैं तथा ऐसी कंपनी अर्थात मर्यादित **(पब्लिक लिमिटेड) कंपनी** होती है ।

कंपनी शुरु करने के लिए लगने वाले धन को **पूँजी** कहते हैं । इस पूँजी के छोटे-छोटे समान भाग करते हैं जो सामान्यत: ₹ 1, ₹ 2, ₹ 5, ₹ 10 या ₹ 100 आदि मूल्य के होते हैं । इन प्रत्येक भागों को **शेयर** कहते हैं । इन शेयर को बेचकर कंपनी के लिए पूँजी जुटाई जाती है ।

शेयर (Share) : कंपनी की कुल पूँजी में से एक भाग अर्थात शेयर । शेयर सर्टिफिकेट (share certificate) पर एक शेयर का मूल्य शेयर्स की संख्या, क्रमांक आदि छपा होता है ।

भाग धारक या शेयर धारक -(Share holder) : कंपनी के शेयर्स खरीदने वाला व्यक्ति उस कंपनी का भाग धारक अर्थात शेयर धारक होता है । शेयर धारक के पास जितने शेयर होते हैं उस अनुपात में वह कंपनी का मालिक होता है ।

शेयर बाजार (Stock Exchange) : जिस स्थान पर शेयर्स का लेन-देन (खरीदी-बिक्री) होती है । उसे शेयर बाजार ('स्टॉक एक्सचेंज' या 'स्टॉक मार्केट' या इक्विटी मार्केट, कॅपीटल मार्केट या शेयर मार्केट) कहते हैं । समाज से पूँजी जुटाकर शुरु की गई कंपनी अर्थात पब्लिक लिमिटेड कंपनी का शेयर बाजार में पंजीकृत (listed company) होना आवश्यक है ।

अंकित मूल्य (Face Value - FV) : कंपनी के शेयर सर्टिफिकेट पर छापा गया एक शेयर का मूल्य अर्थात शेयर का अंकित मूल्य (FV) होता है ।

बाजार मूल्य (Market Value - MV) : जिस मूल्य पर शेयर बाजार में शेयर की खरिदी-बिक्री होती है, उस मूल्य को शेयर बाजार का मूल्य (MV) कहते हैं ।

कंपनी स्थापित होने के बाद यदि उसका कारोबार अपेक्षाकृत अच्छा हो तो उस कंपनी के शेयर्स की **माँग** बाजार में बढ़ती जाती है । शेयर्स की संख्या तो निश्चित होती है । अर्थात शेयर्स की और **आपूर्ति** नहीं की जा सकती, इसलिए उस कंपनी के शेयर्स का बाजार मूल्य बढ़ने लगता है । इसके विपरित यदि कंपनी का कारोबार ठीक नहीं रहा (नीचे गिरने लगा) तो शेयर्स का बाजार मूल्य भी कम होने लगता है । यह उतार-चढ़ाव क्रमश: ▲, ▼ इन चिह्नों से दर्शाते हैं । इस उतार-चढ़ाव के परिणाम से ही बाजार का निर्देशांक बढ़ता या कम होता है ।

शेयर बाजार में शेयर्स के मूल्य प्रतिपल बदलते हैं ।

लाभांश (Dividend) : कंपनी को आर्थिक वर्ष में प्राप्त लाभ का वितरण शेयर्स की संख्यानुसार भाग धारकों को मिलने वाला लाभ का भाग (लाभ का अंश) ही लाभांश होता है ।

कंपनी का कारोबार अच्छा होता गया तो स्वाभाविक ही कंपनी की संपत्ति भी बढ़ती जाती है । इस कारण शेयर्स पर लाभांश भी अच्छा मिलता है ।

शेयर धारक को प्राप्त लाभांश पर आयकर नहीं भरना पडता ।

इसे ध्यान में रखें

शेयर्स के बाजार मूल्य में कितना भी उतार-चढाव हो तो भी वर्ष के अंत में घोषित लाभांश हमेशा शेयर्स की संख्या के अनुपात में (अंकित मूल्य पर) मिलता है ।

अधिक जानकारी के लिए :

मुंबई में, **मुंबई शेयर बाजार (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज BSE)** तथा **राष्ट्रीय शेयर बाजार (नॅशनल स्टॉक एक्सचेंज NSE)** भारत के दो मुख्य शेयर बाजार हैं । मुंबई शेयर बाजार एशिया का सबसे पुराना तथा राष्ट्रीय शेयर बाजार, भारत का सबसे बड़ा शेयर बाजार है ।

शेयर बाजार का उतार-चढ़ाव समझने के लिए SENSEX (सेन्सेक्स) तथा NIFTY (निफ्टी) ऐसे दो निर्देशांक (Index) हैं । SENSEX = SENSitive + indEX इन दो शब्दों द्‌वारा बनता है । BSE ने 1-1-1986 में SENSEX देना शुरु किया । सर्वाधिक पूँजीवाली नामचित तथा प्रस्थापित 30 कंपनियों के शेयर्स के दर का उतार-चढाव SENSEX निश्चित करता है ।

'निफ्टी' यह शब्द अपने नाम के अनुसार दो शब्दों से बनता है **NIFTY** = NSE + FIFTY । निफ्टी, NSE सबसे उत्तम कार्य करने वाली 50 कंपनियों के आधार पर निश्चित होता है ।

ICT Tools or Links

SEBI की वेबसाईट देखें वैसे ही मुंबई शेयर बाजार, राष्ट्रीय शेयर बाजार तथा दूरदर्शन के चैनल्स या नेट पर शेयर बाजार की जानकारी देने वाले वीडिओ देखें एवं शेयर बाजार को समझ लीजिए । शेयरों के मूल्य का उतार-चढ़ाव दूरदर्शन पर निरंतर दिखाया जाता है, उसे देखें । सामान्यत: ऊपरवाली पट्टी मुंबई शेयर बाजार तथा नीचे की पट्टी राष्ट्रीय शेयर बाजार के शेयर्स का बाजार मूल्य दर्शाती है । शेयर्स की बुक व्हॅल्यू (Book Value) क्या होती है, जानकारी प्राप्त कीजिए ।

अंकित मूल्य तथा बाजार मूल्य तुलना (Comparison of FV and MV) :

(1) यदि बाजार मूल्य $>$ अंकित मूल्य हो तो शेयर अधिमूल्य पर (share is at premium) है, ऐसा कहा जाता है ।

(2) यदि बाजार मूल्य = अंकित मूल्य हो, तो शेयर सममूल्य पर है (Share at par) ऐसा कहा जाता है ।

(3) यदि बाजारमूल्य $<$ अंकित मूल्य हो तो शेयर अवमूल्य पर है (share is at discount) ऐसा कहा जाता है ।

उदाहरणार्थ (1) माना, शेयर का अंकित मूल्य = 10 रूपये तथा बाजार मूल्य = 15 रूपये हो तो वह शेयर 15 – 10 = 5 रूपये अधिमूल्य पर है अर्थात प्रिमियम पर है ।

(2) माना, शेयर का अंकित मूल्य = 10 रूपये तथा बाजार मूल्य = 10 रूपये हो तो शेयर 10 – 10 = 0. अर्थात शेयर सममूल्य पर है अर्थात ॲट पार है ।

(3) माना, शेयर का अंकित मूल्य = 10 रूपये तथा बाजार मूल्य = 7 रूपये हो तो शेयर 10 – 7 = 3 रूपये अवमूल्य पर है अर्थात वह डिस्काऊंट पर है ।

कुल निवेश (Sum invested) : शेयर्स खरीदने के लिए लगी कुल रकम को कुल निवेश कहते हैं ।

कुल निवेश = शेयर्स की संख्या × एक शेयर का बाजार मूल्य

उदा. 100 रूपये अंकित मूल्य वाला एक शेयर 120 रूपये बाजार मूल्य पर खरीदा तो ऐसे 50 शेयर्स खरीदने के लिए कितने रूपयों का निवेश करना होगा ?

हल : कुल निवेश = शेयर्स की संख्या × एक शेयर का बाजारमूल्य

= 50 × 120 = 6000 रूपये

शेयर्स पर प्रतिफल का दर (Rate of Return) :

हमने शेयर्स पर निवेश की गई हुई रकम कुछ समय बाद कितना प्रतिफल देती है, यह जानना महत्वपूर्ण है ।

उदा. (1) श्रीयश ने 100 रूपये अंकित मूल्य का एक शेयर, जब बाजार मूल्य 120 रूपये था तब खरीदा । उसपर श्रीयश को कंपनी ने 15% लाभांश दिया, तो निवेश पर प्राप्त प्रतिफल का दर ज्ञात कीजिए ।

हल :अंकित मूल्य = 100 रूपये बाजार मूल्य = 120 रूपये लाभांश = 15%

माना, प्रति शेयर प्रतिफल की दर x% है ।

यह ध्यान रहें, 120 रूपये के निवेश पर 15 रूपये प्राप्त होते हैं ।

$$\therefore \frac{15}{120} = \frac{x}{100}$$

$$\therefore x = \frac{15 \times 100}{120} = \frac{25}{2} = 12.5\%$$

यदि,	120	:	15
तो,	100	:	x

उत्तर : श्रीयश को प्रतिफल की दर 12.5% प्राप्त होगा ।

उदा. (2) अंकित मूल्य = 100 रूपये अधिमूल्य = 65 रूपये तो शेयर का बाजार मूल्य ज्ञात कीजिए ।

हल : बाजार मूल्य = अंकित मूल्य + अधिमूल्य = 100 + 65 = 165 रूपये

∴ शेयर का बाजार मूल्य 165 रूपये प्रतिशेयर

उदा. (3) निम्नलिखित तालिका उचित संख्या लिखकर पूर्ण कीजिए ।

उदा. क्र.	अंकित मूल्य	मूल्य प्रकार	बाजार मूल्य
(i)	₹ 10	अधिमूल्य ₹ 7	
(ii)	₹ 25		₹ 16
(iii)		सममूल्य	₹ 5

हल : (i) बाजार मूल्य 10 + 7 = 17 ₹ (ii) अवमूल्य 25 − 16 = 9 ₹ (iii) अंकित मूल्य 5 ₹

उदा. (4) नीलभाई ने निम्नानुसार शेयर में निवेश किया, तो उन्होंने कुल कितना निवेश किया?

कंपनी A : 350 शेयर्स, अंकित मूल्य = 10 रूपये प्रतिशेयर अधिमूल्य = 7 रूपये

कंपनी B : 2750 शेयर्स, अंकित मूल्य = 5 रूपये बाजार मूल्य = 4 रूपये

कंपनी C : 50 शेयर्स, अंकित मूल्य = 100 रूपये बाजार मूल्य = 150 रूपये

हल : कंपनी A : अधिमूल्य = 7 रूपये अत: बाजार मूल्य = अंकित मूल्य + अधिमूल्य

= 10 + 7 = 17 रूपये

∴ कंपनी A में कुल निवेश = शेयर्स की संख्या × बाजार मूल्य = 350 × 17 = 5950 रूपये

कंपनी B : अंकित मूल्य = 5 रूपये, बाजार मूल्य = 4 रूपये

∴ कंपनी B में कुल निवेश = शेयर्स की संख्या × बाजार मूल्य = 2750 × 4 = 11,000 रूपये

कंपनी C : अंकित मूल्य = 100 रूपये, बाजार मूल्य = 150 रूपये

∴ कंपनी C में कुल निवेश = शेयर्स की संख्या × बाजार मूल्य = 50 × 150 = 7500 रूपये

उत्तर : नीलभाई द्‌वारा तीनों कंपनियों में किया गया कुल निवेश = 5950 + 11000 + 7500

= 24,450 रूपये

उदा. (5) स्मिता ने 12,000 रु निवेश कर 10 रु अंकित मूल्यवाले शेयर्स प्रतिशेयर 2 रु अधिमूल्य पर खरीदे, तो उसे कुल कितने शेयर्स प्राप्त होंगे, यह ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित कृति पूर्ण कीजिए ।

हल : अंकित मूल्य = 10 रूपये, अधिमूल्य = 2 रूपये ।

∴ बाजार मूल्य = अंकित मूल्य + ☐ = ☐ + ☐ = ☐

∴ शेयर्स की संख्या = $\dfrac{\text{कुल निवेश}}{\text{बाजार मूल्य}} = \dfrac{12000}{\square}$ = ☐ शेयर्स

उत्तर : स्मिता को ☐ शेयर्स प्राप्त होंगे ।

उदा. (6) 10 रूपये अंकित मूल्यवाले 50 शेयर्स 25 रूपये बाजार मूल्य खरीदे । उन शेयर्स पर कंपनी ने 30% लाभांश घोषित किया तो (1) कुल निवेश (2) प्राप्त लाभांश तथा (3) निवेश पर प्रतिफल की दर ज्ञात कीजिए ।

हल : शेयर का अंकित मूल्य = 10 रूपये, बाजार मूल्य = 25 रूपये, शेयर्स की संख्या = 50

$\therefore$ कुल निवेश 25 × 50 =1250 रूपये

लाभांश = $10 \times \frac{30}{100} = 3$ रूपये प्रतिशेयर

$\therefore$ 50 शेयर पर कुल लाभांश = 50 × 3 =150 रूपये

$\therefore$ प्रतिफल की दर = $\frac{\text{प्राप्त कुल लाभांश}}{\text{कुल निवेश}} \times 100$

$= \frac{150}{1250} \times 100 = 12\%$

उत्तर : (1) कुल निवेश 1250 रूपये (2) 50 शेयर्स पर प्राप्त लाभांश 150 रूपये

(3) निवेश पर प्रतिफल की दर 12%.

प्रश्नसंग्रह 4.3

1. उचित संख्या लिखकर निम्नलिखित सरिणी पूर्ण कीजिए।

उदा. क्र.	अंकित मूल्य	मूल्य प्रकार	बाजार मूल्य
(1)	100 रु.	सममूल्य	. . .
(2)	. . .	अधिमूल्य = 500 रु.	575 रु.
(3)	10 रु.	. . .	5 रु.

2. जब बाजार मूल्य 80 रूपये था तब अमोल ने 100 रूपये अंकित मूल्य वाले 50 शेयर्स खरिदे । उस वर्ष कंपनी ने 20% लाभांश दिया, तो निवेश पर प्रतिफल का दर ज्ञात कीजिए ।

3. जोसेफ ने निम्नानुसार शेयर्स में निवेश किया तो उनके द्‌वारा की गई कुल निवेश ज्ञात कीजिए ।
   कंपनी A : अंकित मूल्य 2 रूपये तथा अधिमूल्य 18 रूपये वाले 200 शेयर्स
   कंपनी B : बाजार मूल्य 500 रूपये वाले 45 शेयर्स
   कंपनी C : बाजार मूल्य 10,540 रूपये वाला 1 शेयर

4. श्रीमती देशपांडे ने 20,000 रूपयों का निवेश कर 5 रूपये अंकित मूल्यवाले शेयर्स 20 रूपये के अधिमूल्य पर खरीदे तो उन्हें कितने शेयर्स मिलेंगे ?

5. श्री. शांतिलाल ने 100 रूपये अंकित मूल्यवाले 150 शेयर्स 120 रूपये बाजार मूल्य पर खरीदे । बाद में कंपनी ने 7% लाभांश घोषित किया, तो कुल निवेश पर प्रतिफल का दर ज्ञात कीजिए ।

6. दिए गए निवेशों में से कौन-सा निवेश अधिक लाभप्रद है ? दोनों कंपनी के शेयर्स का अंकित मूल्य समान है । कंपनी A के शेयर का बाजार मूल्य 80 रूपये तथा लाभांश 16% और कंपनी B के शेयर का बाजार मूल्य 120 रूपये तथा लाभांश 20% है ।

ICT Tools or Links

किन्हीं पाँच कंपनियों के शेयर्स का अंकित मूल्य, बाजार मूल्य, इंटरनेट या अन्य स्रोतों से ज्ञात कीजिए तथा उनका संयुक्तस्तंभालेख बनाइए और तुलना कीजिए । (संभव हो तो ▲, ▼ ऐसे दोनों प्रकार के शेयर्स देखिए ।)

आओ जानें

शेयर्स के खरीदी-बिक्री पर दलाली तथा कर (Brokerage and taxes on share trading)

दलाली (Brokerage) : शेयर्स की खरीदी-बिक्री व्यक्तिगत रूप से नहीं की जा सकती । वह शेयर बाजार के अधिकृत व्यक्ति या संस्था के माध्यम से की जाती है । उन्हें **'शेयर दलाल' (Share Broker)** कहा जाता है । दलाल के माध्यम से शेयर खरीदते या बेचते समय शेयर के बाजार मूल्य पर जिस दर से अतिरिक्त रकम दलाल लेता है उसे **'दलाली'** कहते हैं ।

उदा (1) माना, 100 ₹ अंकित मूल्यवाले शेयर का बाजार मूल्य 150 रूपये है । दलाली का दर 0.5% है । ऐसे 100 शेयर खरीदते समय कितनी रकम देनी होगी ? ऐसे 100 शेयर बेचे तो कितनी रकम प्राप्त होगी ?

ऊपरोक्त 100 शेयर खरीदते समय –

एक शेयर का कुल क्रय मूल्य = बाजार मूल्य + दलाली

= 150 रूपये + 150 रूपये का 0.5% = 150 + 0.75

$\therefore$ एक शेयर का कुल क्रय मूल्य = 150.75 रूपये

ऐसे 100 खरीदे तो कुल निवेश 100 × 150.75 = 15075 रूपये

जिसमें 15000 रूपयों के शेयर्स + 75 रूपये दलाली के ।

100 शेयर बेचते समय –

एक शेयर के विक्रय से प्राप्त मूल्य = बाजार मूल्य – दलाली

= 150 रूपये – 150 रु का 0.5% = 150 – 0.75

$\therefore$ एक शेयर के विकय से प्राप्त मूल्य = 149.25 रूपये

$\therefore$ 100 शेयर्स के विक्रय से प्राप्त मूल्य = 149.25 × 100 = 14925 रूपये

$\therefore$ 100 शेयर्स बेचने पर 14925 रूपये प्राप्त होंगे ।

इसे ध्यान में रखें

- दलाली हमेशा शेयर्स के बाजार मूल्य पर निर्धारित की जाती है ।
- शेयर खरीदी-बिक्री के विवरण में दलाली तथा कर सहित एक शेयर का मूल्य निश्चित किया जाता है ।

उपक्रम I : आपके परिसर में शेयर दलाली सेवा देने वाले व्यक्ति या संस्था की जानकारी प्राप्त कीजिए । तथा उनके द्‌वारा निर्धारित की जानेवाली दलाली की दर की जानकरी प्राप्त कर तुलना कीजिए।

उपक्रम II : डी-मॅट खाता (Demat A/c) तथा ट्रेडिंग खाता के विवरण पत्र (स्टेटमेंट) प्राप्त कीजिए । उसमें किन-किन बातों का समावेश होता है इसकी जानकारी नेट से/ दलालों से मिलकर / ज्येष्ठ लोगों से प्राप्त कीजिए । दोस्तों के साथ चर्चा कीजिए ।

अधिक जानकारी के लिए : हर शेयर दलाल सेबी (SEBI - Securities and Exchange Board of India) नियम 1992 के अंतर्गत पंजीकृत होता है तथा उसके ऊपर सेबी का नियंत्रण होता है ।

शेयर्स, बॉण्डस्, म्युच्युअल फंड आदि को लेखनबद्‌ध रखने के लिए डी-मॅट खाता (Dematerialized Account) तथा उनका खरीदी-बिक्री करने के लिए ट्रेडिंग खाता (Trading Account) खोलना आवश्यक होता है । ऐसा खाता बैंक में या शेयर दलाल के पास खोल सकते है इसे DP अर्थात Depository Participants कहते है । ये DPs, NSDL तथा CDSL इन दो Depositaries के अधीन होते हैं । डी-मॅट खाते में शेयर्स की खरीदी-बिक्री का हिसाब रखा जाता है । वह बैंक खातें जैसा ही होता है । बेचे गए शेयर खर्च की ओर (Debit) लिखे जाते हैं । खरीदे गए शेयर्स जमा की ओर (Credit) लिखते हैं । उनका विवरण पत्र (statement) माँगने पर मिलता है, जिसके लिए निश्चित शुल्क का भुगतान करना होता है । इन खातों में आपके शेयर्स इलेक्ट्रॉनिक फॉर्म में लेखबद्‌ध रहते हैं । इन दोनों खातों को आपके बैंक के बचत खाते से (जोड़ना) संलग्न करना होता है । शेयर्स खरीदते समय लगने वाले रूपये आवश्यकतानुसार उस खाते से कम (Debit) किए जाते हैं । वैसे ही शेयर्स की बिक्री से प्राप्त रकम उस खाते में जमा होती है । इन सब बातों का मार्गदर्शन शेयर दलाल या बैंक इच्छुक व्यक्तियों को करते है ।

आओ जानें

दलाली पर वस्तु एवं सेवा कर (GST on brokerage services)

शेयर दलाल अपने खातेदारों की ओर से शेयर की खरीदी-बिक्री करने की सेवा उपलब्ध करते हैं । दलाली सेवा पर कर की दर 18% है । उसका SAC क्रमांक ज्ञात कीजिए ।

टिप्पणी :- वस्तु एवं सेवा कर के अतिरिक्त ग्राहकों के सुरक्षा की दृष्टि से शेयर की खरीदी-बिक्री पर कुछ और

अल्प दर के कर होते हैं । उदा.सिक्युरीटी ट्रॅन्झॅक्शन टैक्स (STT), SEBI शुल्क, स्टँप ड्यूटी आदि । इन सभी का हम यहाँ विचार नहीं करने वाले हैं । यहाँ केवल ब्रोकरेज पर ही वस्तु- सेवा कर का विचार करने वाले हैं ।

उदा. (2) उदाहरण 1 के अनुसार माना किसी व्यक्ति ने 15075 रु. शेयर्स खरीदने के लिए दिए । इस रकम में 75 रूपये दलाली है । तो उन्हें 75 ₹ से 18% की दर से कर देना होगा वह ज्ञात कर विवरण पत्र बनाइए ।

हल : 18% की दर से 75 रु पर GST = $\frac{18}{100} \times 75$

= 13.50 रूपये

शेयर क्रय विवरण पत्र (B अर्थात खरीदें हैं ।)

शेयर्स की संख्या	शेयर का बाजार मूल्य	शेयर का अंकित मूल्य	दलाली 0.5%	दलाली पर 9% CGST	दलाली पर 9% SGST	शेयर्स का कुल क्रय मूल्य
100(B)	150 रूपये	15000 रूपये	75 रूपये	6.75 रूपये	6.75 रूपये	15088.50 रूपये

उदा. (3) बशीर खान ने 40 रु. बाजार मूल्य पर 100 शेयर खरीदे । दलाली का दर 0.5% तथा दलाली पर वस्तु- सेवा कर की दर 18% है, तो उन्हें 100 शेयर्स के लिए कुल कितना खर्च आएगा?

हल : 100 शेयर्स की बाजार मूल्य के अनुसार कीमत 40 × 100 = 4000 रूपये

एक शेयर पर दलाली = $\frac{0.5}{100} \times 40$ = 0.20 रूपये

∴ एक शेयर का खरीदी मूल्य = बाजार मूल्य + दलाली

= 40 + 0.20 = 40.20 रूपये

∴ 100 शेयर का खरीदी मूल्य = 40.20 × 100 = 4020 रूपये

100 शेयर पर दलाली 0.20 × 100 = 20 रूपये

∴ वस्तु- सेवा कर = $\frac{18}{100} \times 20$

= 3.60 रूपये

उत्तर : बशीर खान को 100 शेयर्स खरीदने के लिए लगनेवाला कुल खर्च

= 4020 + 3.60 = 4023.60 रूपये

उदा. (4) पंकजभाई ने 1,25,295 रूपये का निवेश कर 10 रूपये अंकित मूल्यवाले 100 शेयर 125 रूपये बाजार मूल्य पर खरीदे । इस व्यवहार में दलाली की दर 0.2% तथा दलाली पर GST 18% की दर से दिया, तो (1) कितने शेयर्स खरीदे ? (2) कुल कितनी दलाली दी ? (3) इस व्यवहार में वस्तु- सेवा कर कितना दिया ?

हल : निवेश = 1,25,295 रूपये, बाजार मूल्य = 125 रूपये, दलाली = 0.2%, GST की दर = 18%

एक शेयर पर दलाली = 125 × $\frac{0.2}{100}$ = 0.25 रूपये

एक शेयर की दलाली पर (कर) GST = 0.25 का 18% = 0.045 रूपये

$\therefore$ एक शेयर का क्रय मूल्य = बाजार मूल्य + दलाली + कर

= 125 + 0.25 + 0.045 = 125.295 रूपये

$\therefore$ शेयर्स की संख्या = $\frac{125295}{125.295}$ = 1000

कुल दलाली = प्रतिशेयर दलाली × शेयर्स की संख्या

$\therefore$ = 0.25 × 1000 = 250 रूपये

कुल कर = 1000 × 0.045 = 45 रूपये

उत्तर (1) 1000 शेयर्स खरीदे (2) दलाली 250 रूपये दी । (3) दलाली पर कर 45 रूपये दिया ।

उदा. (5) नलिनीताई ने 10 रूपये अंकित मूल्यवाले शेयर के लिए जब बाजार मूल्य 60 रूपये था तब 6024 रूपयों का निवेश किया । उन शेयर्स पर 60% लाभांश प्राप्ति के बाद 50 रूपये बाजार मूल्य पर सभी शेयर्स बेचें । हर व्यवहार में 0.4% दलाली दी । तो इस व्यवहार में उन्हें हुई लाभ या हानि निम्नलिखित चौखटो को भर कर ज्ञात कीजिए ।

हल : इस उदा. में कर की दर नहीं दी गई है । अत: देय कर का विचार नहीं किया है ।

10 रू अंकित मूल्य पर 60 शेयर खरीदने पर

प्रतिशेयर दलाली = $\frac{0.4}{100} \times 60$ = ☐ रूपये

$\therefore$ एक शेयर का मूल्य = 60 + 0.24 = ☐ रूपये

$\therefore$ 6024 रूपये में $\frac{6024}{60.24}$ = 100 शेयर खरिदे

10 रूपये अंकित मूल्यवाले शेयर 50 रूपये के बाजार मूल्य पर बेचें ।

$\therefore$ प्रतिशेयर दलाली = $\frac{0.4}{100} \times 50$ = 0.20 रूपये

$\therefore$ एक शेयर का विक्रय मूल्य = 50 – 0.20 = ☐ रूपये

$\therefore$ 100 शेयर्स का कुल विक्रय मूल्य = 100 × 49.80 = ☐ रूपये

लाभांश 60% मिला ।

$\therefore$ 1 शेयर पर लाभांश = $\frac{60}{100} \times 10$ = 6 रूपये

$\therefore$ 100 शेयर पर लाभांश = 6 × 100 = ☐ रूपये

$\therefore$ नलिनीताई को शेयर्स बिक्री तथा लाभांश से प्राप्त कुल रकम = ☐ + ☐ = 5580 रु

नलिनीताई का निवेश = 6024 रूपये था ।

$\therefore$ नलिनीताई की हानि = ☐ – ☐ = ☐ रूपये

उत्तर : नलिनीताई को इस क्रय-विक्रय व्यवहार में 444 रूपये की हानि हुई ।

कृति : प्रश्न क्र 5 में खरीदी-बिक्री के समय दलाली पर कर की दर 18% हो तो हानि कितनी होगी ज्ञात कीजिए। आपका उत्तर 451.92 रूपये आता है क्या इसकी जाँच कीजिए ।

आओ जानें

म्युच्युअल फंड (Mutual Fund – MF)

शेयर्स का अध्ययन करते समय हमने देखा कि, कंपनी स्थापित करने के लिए इच्छुक व्यक्ति एक साथ आते है तथा समाज का सहभाग लेकर बड़ी पूँजी इकट्ठा करते हैं । कंपनी का कामकाज अच्छा हो तो उन सभी लोगों को उसका लाभ मिलता है । उन्हें लभांश मिलता है शेयर का बाजार मूल्य बढने से कंपनी की पूँजी बढ़ती है । फलस्वरुप देश के विकास में सहयोग मिलता है । संक्षेप में समाजशास्त्र का तत्त्व है । 'Together we can progress', परंतु प्रत्येक सिक्के के दो पहलु होते हैं । शेयर्स में लाभ होने की अपेक्षा कभी-कभी हानि भी हो सकती है । क्या यह हानि कम कर सकते हैं ? क्या निवेशकों के लिए यह जोखिम कम कर सकते है ? हाँ । उसके लिए आजकल अधिकांश लोग म्युच्युअल फंड में निवेश करते हैं ।

म्युच्युअल फंड अर्थात अनेक निवशकों के रूपये एकत्रित कर इकट्ठा की गई पूँजी । वह रकम एक ही प्रकार के शेयर निवेश न करके, निवेश के विविध प्रकारों में निवेश की जाती है, अर्थात जोखिम कम होती है तथा कुल लाभांश सभी निवेशकों में विभाजित किया जाता है । म्युच्युअल फंड में निवेश कैसे किया जाता है ? उसमें प्रतिफल कैसे मिलता है ? कितनी अवधि के लिए निवेश करना चाहिए ? उसके विविध प्रकार क्या हैं ? ऐसे अनेक प्रश्नों के उत्तर आर्थिक सलाहकार दे सकते हैं ।

Investments in Mutual Funds are subject to Market risks. Read all scheme related documents carefully ऐसा वाक्य आपने कई बार सुना या पढा होगा । उसका ठीक-ठीक अर्थ (मतलब) समझें । कभी-कभार म्युच्युअल फंड में किए गए निवेश पर लाभ की अपेक्षा हानि होती है तथा वह हानि निवेशकों को सहन करनी पड़ती है ।

म्युच्युअल फंड अर्थात तज्ज्ञ व्यवसायी विशेषज्ञ लोगों द्‌वारा निर्मित फंड योजना । इन तज्ज्ञों को AMC अर्थात 'असेट मॅनेजमेंट कंपनी' कहते हैं । वे बाजार का अंदाजा लेकर इच्छुक लोगों के पैसे विविध योजनाओं, जैसे इक्विटी फंड (शेयर्स), डेब्ट फंड (डिबेंचर्स बाँड्स आदि या दोनों का बॅलन्स फंड) में निवेशकों के सूचना के अनुसार निवेश करते हैं ।

हमने शेयर बाजार में निवेश किया तो शेयर्स मिलते हैं, वैसे ही म्युच्युअल फंड में निवेश करने पर **'युनिट्स'** मिलते है ।

प्रति युनिट जो बाजार मूल्य होगा उसे युनिट का कुल (वास्तविक) संपत्ति मूल्य **(Net asset value – NAV)**

एक युनिट का NAV × युनिट्स की संख्या = म्युच्युअल फंड का कुल निवेश मूल्य ।

टिप्पणी : शेयर्स के अनुसार म्युच्युअल फंड के युनिट्स का NAV भी सतत बदलता रहता है । आवश्यक हो तब युनिट्स बेच सकते हैं ।

बैंक या भारतीय पोस्ट सेवा में निवेश अधिक सुरक्षित होती है । परंतु ऐसे निवेश से प्राप्त प्रतिफल सहसा महँगाई का सामना करने में अपर्याप्त साबित होता है, इसे ध्यान रखना होगा । उसके लिए रूपयों का उचित नियोजन होना चाहिए अर्थात आर्थिक नियोजन (Financial Planning) ।

समग्रता से विचार कर निवेश से संबधित उचित निर्णय लेना महत्त्वपूर्ण होता है । उसका नियमित अध्ययन करने की आदत होनी चाहिए ।

नियमित आवर्ती निवेश योजना (SIP –Systematic Investment Plan)

माना हमें म्युचुअल फंड में एक साथ बड़ी पूँजी निवेश करना संभव न हो, तो छोटी किस्तों में हर महिने निवेश कर सकते हैं । न्यूनतम 500 रूपये प्रतिमाह म्युच्युअल फंड में निवेश कर सकते हैं । इसप्रकार नियमित रुप से मासिक या त्रैमासिक निवेश कर सकते हैं । इस योजना द्वारा बचत की आदत लगती है तथा भविष्य के आर्थिक उद्देश्यों की पूर्ति आसानी से की जा सकेंगी । यह योजना भी दीर्घ कालावधि के लिए लाभप्रद हो सकती है । कारण शेयर बाजार के उतार-चढ़ाव का इस योजना के निवेश पर परिणाम कम होता है । कम-से-कम 3 से 5 संभव हो तो 10-15 वर्षों के लिए इस योजना में निवेश करना उत्तम है ।

म्युच्युअल फंड के लाभ

- अनुभवी, तज्ज्ञ फंड मॅनेजर्स
- निवेश में विविधता (diversifications of funds)
- पारदर्शकता – निवेश में पर्याप्त सुरक्षितता
- तरलता – (आवश्यकता नुसार) बिक्री की सुविधा
- सीमित जोखिम
- लघु तथा दीर्घ अवधि के लाभ
- कुछ निश्चित फंड (ELSS) में निवेश पर आयकर धारा 80C के अंतर्गत छूट मिलती है ।

हल किए गए उदाहरण

उदा. (1) माना, म्युचुअल फंड योजना का बाजार मूल्य 200 करोड़ रूपये हो और कंपनी ने उसके 8 करोड युनिट्स किए हो तो एक युनिट का वास्तविक संपत्ति मूल्य (NAV) ज्ञात कीजिए ।

हल : एक युनिट का NAV = 200 करोड़ रूपये / 8 करोड़ युनिट्स = 25 रूपये प्रतियुनिट ।

उदा. (2) माना, आपने उदा. 1 में दिए गए कंपनी में 10,000 रूपयों का निवेश किया तो आपको कितने युनिट्स प्राप्त होंगे ?

उकल : युनिट्स की संख्या = किया गया निवेश / एक युनिट का NAV

= 10,000/25 = 400 युनिट्स प्राप्त होंगे ।

प्रश्नसंग्रह 4.4

1. एक शेयर का बाजार मूल्य 200 रूपये है । वह शेयर खरीदते समय 0.3% दलाली दी, तो शेयर का क्रय मूल्य ज्ञात करो ।
2. एक शेयर का बाजार मूल्य 1000 रूपये था जब वह बेचा गया, जिसपर 0.1% दलाली दी गई हो, तो बिक्री के बाद प्राप्त रकम ज्ञात कीजिए ।
3. निम्नलिखित शेयर क्रय विवरण पत्र के रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए । (B – खरीदे, S – बिक्री किया)

शेयर्स की संख्या	शेयर्स का बाजार मूल्य	शेयर्स की कुल कीमत	दलाली का दर 0.2%	दलाली पर CGST 9%	दलाली पर SGST 9%	शेयर्स की कुल कीमत
100 B	45 रु.					
75 S	200 रु.					

4. श्रीमती देसाई ने 100 रूपये अंकित मूल्य के शेयर्स, बाजार मूल्य 50 रूपये होने पर बिक्री की तब उन्हें 4988.20 रूपये प्राप्त हुए । दलाली का दर 0.2% तथा दलाली पर जीएसटी की दर 18% हो, तो उन्होंने कितने शेयर्स बिक्री की ? ज्ञात कीजिए ।
5. मिस्टर डिसोझा ने 50 रूपये अंकित मूल्य के 200 शेयर्स 100 रूपये अधिमूल्य पर खरीदी किया। उसपर कंपनी ने 50% लाभांश दिया । लाभांश मिलने पर उनमें से 100 शेयर्स की 10 रूपये अवमूल्य से बिक्री की तथा शेष शेयर्स की 75 रूपये अधिमूल्य से बिक्री की । प्रत्येक व्यवहार में 20 रूपये दलाली दी, तो उन्हें इस व्यवहार में लाभ हुआ या हानि ? कितने रूपये ? ज्ञात कीजिए ।

प्रकीर्ण प्रश्नसंग्रह 4 A

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उत्तर का उचित विकल्प चुनिए ।

(1) जीवनावश्यक वस्तुओं पर वस्तु एवं सेवा कर की दर . . . है ।

(A) 5% (B) 12% (C) 0% (D) 18%

(2) एक ही राज्य में होने वाले व्यापार पर केंद्र सरकार द्‌वारा . . . निर्धारित किया जाता है ।

(A) IGST (B) CGST (C) SGST (D) UTGST

(3) हमारे देश में . . . . दिनांक से वस्तु एवं सेवा कर यह कर पद्‌धति अस्तित्व में आई ।

(A) 31 मार्च 2017 (B) 1 अप्रेल 2017

(C) 1 जनवरी 2017 (D) 1 जुलै 2017

(4) स्टील के बर्तनों पर वस्तु एवं सेवा कर की दर 18% हो तो उसपर राज्य वस्तु एवं सेवा कर की दर . . . निर्धारित होती है ।

(A) 18% (B) 9% (C) 36% (D) 0.9%

(5) GSTIN में कुल . . . अंकाक्षर होते हैं ।

(A) 15 (B) 10 (C) 16 (D) 9

(6) जब कोई पंजीकृत व्यापारी दूसरे पंजीकृत व्यापारी को वस्तु बेचता हो उसे GST अंतर्गत . . . . व्यवहार कहते हैं ।

(A) BB (B) B2B (C) BC (D) B2C

2. 25,000 रूपये मुल्य की किसी एक वस्तु पर व्यापारी ने 10% छूट देकर शेष रकम पर 28% GST लगाया । तो कुल बिल कितने रूपये का होगा? उसमें CGST तथा SGST शीर्षक के अंतर्गत कितनी रकम आएगी?

3. किसी रेडीमेड कपड़े की दुकान में 1000 रूपये मूल्य के ड्रेस पर 5% छूट देकर शेष रकम पर 5% GST लगाकर बेचा तो वह कितने रूपये में मिलेगा?

4. सूरत, गुजरात के किसी व्यापारी ने 2.5 लाख रु कर पात्र मूल्य के सुती कपड़े राजकोट, गुजरात के व्यापारी को बेचा तो इस व्यवहार में राजकोट के व्यापारी को 5% की दर से कितना वस्तु एवं सेवा कर (GST) लगेगा?

5. श्रीमती मल्होत्रा ने 85,000 रूपये करपात्र मूल्य के सौर ऊर्जा के उपकरण खरीदे तथा 90,000 रु में बेचे । वस्तु एवं सेवा कर की दर 5% हो तो उन्हें इस व्यवहार में कितना रूपये का (ITC) तथा कितने रूपये का कर भुगतान करना होगा ?

6. Z-सिक्युरिटी सर्व्हिसेस देने वाली कंपनी ने 64,500 रूपये करपात्र मूल्य की सेवा की पूर्ति की । वस्तु सेवा कर की दर 18% है । इन सिक्युरिटी सर्व्हिसेस की पूर्ति करने के लिए कंपनी ने लॉन्ड्री सर्व्हिस तथा युनिफॉर्म आदि मुद्दों पर कुल 1550 रूपये वस्तु सेवा कर का भुगतान किया है । तो उस कंपनी का (इनपुट टैक्स क्रेडिट) ITC ज्ञात कीजिए । उस आधार पर देय वस्तु-सेवा कर में केंद्र तथा राज्य का हिस्सा (CGST तथा SGST) ज्ञात कीजिए ।

7. एक व्यापारी ने पुलिस नियंत्रण कक्ष के लिए वस्तु सेवा कर सहित 84,000 रूपये मूल्य के वॉकीटॉकी संच (Set) की आपूर्ति की । वस्तु सेवा कर की दर 12% हो तो उसके द्वारा निर्धारित कर में राज्य तथा केंद्र का हिस्सा ज्ञात कीजिए । वॉकीटॉकी संच का करपात्र मूल्य ज्ञात कीजिए ।

8★. किसी थोक व्यापारी ने 1,50,000 रूपये करपात्र मूल्य के विद्युत उपकरण खरीदे । वे सभी उपकरण खुदरा व्यापारी को 1,80,000 रूपये करपात्र मूल्य पर बेचे । खुदरा व्यापारी ने वे सभी उपकरण ग्राहक को 2,20,000 रूपये करपात्र मूल्य पर बेचे । तो 18% की दर से (1) थोक तथा खुदरा विक्रेता के बीजक में केंद्रीय कर (CGST) और राज्य कर (SGST) की गणना कीजिए । (2) थोक और खुदरा व्यापारी का देय केंद्र का हिस्सा तथा देय राज्य का हिस्सा ज्ञात करो ।

9★. ठाणे महाराष्ट्र के अण्णा पाटील ने 14,000 रु. करपात्र मूल्य का एक व्हॅक्युम क्लीनर वसई (मुंबई) किसी व्यापारी को बेचा । GST का दर 28% था । वसई के व्यापारी ने व्हॅक्युम क्लीनर 16,800 रु. करपात्र मूल्य पर बेचा तो इस व्यवहार में निम्नलिखित के मान ज्ञात कीजिए ।

(1) अण्णा पाटील द्वारा दिए गए कर बीजक में राज्य तथा केंद्र का कर कितना दिखाया गया होगा?

(2) वसई के व्यापारी ने ग्राहक से कितना केंद्र तथा राज्य का हिस्सा निर्धारित किया होगा?

(3) वसई के व्यापारी के लिए सरकार को कर का भुगतान करते समय केंद्र तथा राज्य का कर कितना देना पड़ेगा ? ज्ञात कीजिए ।

10★. निम्नलिखित किसी एक के वितरण व्यवसाय शृंखला के कर बीजक A, B, C में वस्तु एवं सेवा कर निर्धारण की गणना कीजिए। GST का दर 12% है।

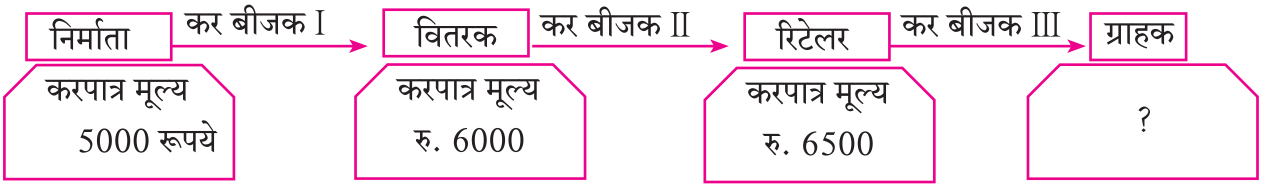

(1) निर्माता ने, वितरक ने तथा खुदरा व्यापारी (रिटेलर) ने सरकार को कितना वस्तु एवं सेवा कर किस शीर्षक के अंतर्गत भुगतान किया वह दर्शाने वाला विवरण पत्र बनाइए।

(2) अंत में ग्राहक को वह वस्तु कितने रूपये में मिलेगी?

(3) इस शृंखला में B2B तथा B2C बीजक कौन-सी है? लिखिए।

प्रकीर्ण प्रश्नसंग्रह 4 B

1. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न के लिए उचित विकल्प चुनिए।

(1) अंकित मूल्य 100 रूपये वाले शेयर का बाजार मूल्य 75 रूपये हो तो निम्नलिखित में से कौन-से वाक्य सही हैं ?

(A) यह शेयर 175 रूपये अधिमूल्य पर है। (B) यह शेयर 25 रूपये अवमूल्य पर है।
(C) यह शेयर 25 रूपये अधिमूल्य पर है। (D) यह शेयर 75 अवमूल्य पर है।

(2) 50% लाभांश घोषित किसी कंपनी के 10 रूपये अंकित मूल्य वाले एक शेयर पर कितना लाभांश प्राप्त होगा?

(A) 50 रूपये (B) 5 रूपये (C) 500 रूपये (D) 100 रूपये

(3) किसी म्युच्युअल फंड के एक युनिट का NAV 10.65 रूपये हो तो 500 युनिट्स खरीदने के लिए कितनी पूँजी लगेगी?

(A) 5325 (B) 5235 (C) 532500 (D) 53250

(4) दलाली पर वस्तु सेवा कर की दर . . . है।

(A) 5% (B) 12% (C) 18% (D) 28%

(5) शेयर बेचते समय एक शेयर का मूल्य ज्ञात करने के लिए बाजार मूल्य, दलाली तथा GST का....

(A) योग करना होता है। (B) व्यवकलन करना होता है।

(C) गुणन करना होता है। (D) भाजन (भाग) करना होता है।

2. 100 रूपये अंकित मूल्यवाला शेयर 30 रूपये अधिमूल्य पर खरीदा। दलाली की दर 0.3% हो तो एक शेयर खरीदी मूल्य ज्ञात कीजिए।

3. प्रशांत ने 100 रूपये अंकित मूल्य वाले 50 शेयर 180 रूपये बाजार मूल्य पर खरीदे । उसपर कंपनी ने 40% लाभांश दिया तो प्रशांत के निवेश पर प्रतिफल (प्रतिप्राप्ती) की दर ज्ञात कीजिए ।

4. यदि 100 रूपये अंकित मूल्यवाले 300 शेयर्स 30 रूपये अवमूल्य पर बेचे गए तो कितने रूपये प्राप्त होंगे?

5. 100 रू अंकित मूल्यवाले तथा 120 रूपये बाजार मूल्यवाले शेयर्स में 60,000 रूपये निवेश किया तो कितने शेयर्स प्राप्त होंगे?

6. श्रीमती मीता अग्रवाल ने 100 रूपये बाजार मूल्य पर 10,200 रु के शेयर खरीदे। जिसमें 60 शेयर्स 125 रूपये बाजार मूल्य पर बेचे तथा शेष शेयर्स 90 रूपये बाजार मूल्य पर बेचे प्रत्येक बार 0.1 की दर से दलाली दी । तो इस व्यवहार में उन्हें लाभ हुआ या हानि ? कितने रूपये ?

7. शेयर बाजार में 100 रूपये अंकित मूल्यवाले दो कंपनियों के शेयर्स का बाजार मूल्य तथा लाभांश निम्ननुसार दिया गया हो तो किस कंपनी में निवेश अधिक लाभप्रद होगा ?
(1) कंपनी A - 132 रूपये 12% (2) कंपनी B - 144 रूपये 16%

8.★ श्री. आदित्य संघवी ने 50118 रु निवेश कर 100 रूपये अंकित मूल्य वाले शेयर 50 रूपये बाजार मूल्य पर खरीदे । इस व्यवहार में उन्होंने 0.2% दलाली दी । दलाली पर 18% की दर से GST दिया तो 50118 रूपये में कितने शेयर्स प्राप्त होंगे ?

9.★ श्री.बाटलीवाला के एक दिन में 30,350 रूपये के शेयर्स बेचे तथा 69,650 रूपये के शेयर्स खरीदे । उस दिन कुल खरीदी-बिक्री पर 0.1% की दर से दलाली दी तथा दलाली पर 18% की दर से वस्तु सेवा कर दिया । तो इस व्यवहार में दलाली तथा वस्तु सेवा कर पर होने वाला खर्च ज्ञात कीजिए ।

10.★ श्रीमती अरुणा ठक्कर ने किसी कंपनी के 100 रू अंकित मूल्य के 100 शेयर्स 1200 रु. बाजार मूल्य पर खरीदे । प्रतिशेयर 0.3% दलाली तथा दलाली पर 18% GST दी तो

(1) कुल निवेश कितने रूपये किया? (2) निवेश पर दलाली कितनी दी?

(3) दलाली पर वस्तु सेवा कर ज्ञात कीजिए ।

(4) 100 शेयर्स के लिए कुल कितने रूपये खर्च हुए?

11.★ श्रीमती अनघा दोशी ने 100 रू अंकित मूल्य तथा 660 बाजार मूल्य पर 22 शेयर्स खरीदे तो उन्होंने कुल कितने रूपये निवेश किया ? उन शेयर्स पर 20% लाभांश लेने के बाद 650 रु बाजार मूल्य पर बेचे । प्रत्येक व्यवहार में 0.1% दलाली दी । तो इस व्यवहार में कितने प्रतिशत लाभ या हानि हुई ज्ञात कीजिए । (उत्तर निकटतम् पूर्णांक में लिखिए ।)